www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 162 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
03 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:46
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत... >> पेज 04 | हत्याकर शव कुर्सी पर रख ... >> पेज 06 | एक्ट्रेस साधना ने 1 रुपए...

चंपत राय की जगह गोविंद देव गिरि महासचिव बने, ट्रस्ट में 3 नए सदस्य शामिल

राम मंदिर को मिला पहला सीईओ

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा की नियुक्ति तीन वर्षों तक सीईओ पद पर रहेंगे

राम मंदिर की व्यवस्था में बदलाव के लिए रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को राम मंदिर का पहला सीईओ नियुक्त किया गया। राम मंदिर सीईओ के लिए 16 अभ्यर्थियों में से एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, मेजर जनरल संजय प्रताप सिंह और श्रुति भारद्वाज के नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे।

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को उसका पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ मिल गया है. सूत्रों के अनुसार सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर मुहर लग गई है. इसकी आधिकारिक घोषणा ट्रस्ट की प्रेस वार्ता में होगी. एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा अपनी नियुक्ति के दिन से तीन वर्षों तक सीईओ पद पर रहेंगे. वह इसी वर्ष अप्रैल में भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए थे. एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ने 38 वर्षों तक वायुसेना में सेवा दी है. वह लड़ाकू विमान पायलट, कॉम्बैट इंस्ट्रक्टर और टेस्ट पायलट के रूप में काम कर चुके हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

नए सदस्यों को जिम्मेदारी

ट्रस्ट की बैठक में नए सदस्यों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। अयोध्या के रहने वाले वरिष्ठ वकील मदन मोहन पांडेय को ट्रस्टी बनाया गया है। उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में रामलला की ओर से कानूनी पैरवी की थी। वहीं, शिकोहाबाद की रहने वाली डॉ. निर्मला यादव भी ट्रस्टी बनाई गई हैं। वह हिंदी एवं संस्कृत में पीजी की हैं। उनके पास 15 वर्षों का शैक्षणिक अनुभव है। यूनिवर्सिटी टीचर के तौर पर उनकी पहचान है।

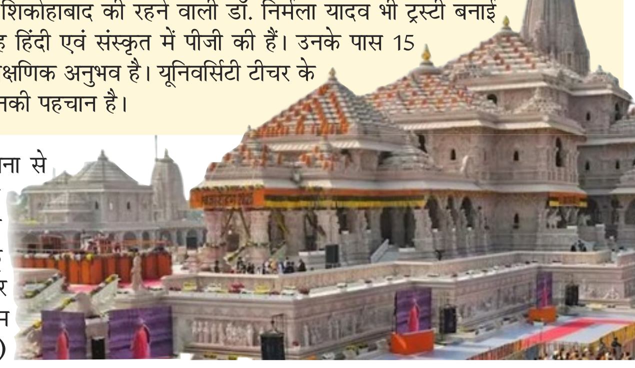

चंपत राय की जगह महंत गोविंद देव गिरि को अब नया महासचिव बनाया है

"ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए 5500 से ज्यादा एप्लीकेशन आए थे. इसमें से 18 के नाम शॉर्टलिस्ट हुए थे. शॉर्टलिस्ट लोगों से खान-पान, रहन-सहन और हिन्दू धर्म से जुड़ी मान्यताओं को लेकर कई अहम सवाल पूछे गए थे.

उत्तराखंड में भारी बारिश, 12 मौतें

बिहार में बाढ़ का खतरा यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे फिर धंसा, एमपी के चित्रकूट में 400 दुकानें डूबीं

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में

गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। >> (शेष पेज 06 पर)

"इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया।

दिल्ली में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम जिले को छोड़कर दिल्ली के सभी हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अगले कुछ घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है।

सीएम ने आउटसोर्स कर्मियों को वितरित किए बढ़ाए गए पारिश्रमिक के चेक

आउटसोर्स कर्मियों को हर माह सीधा मानदेय

मुख्यमंत्री ने दिया आउटसोर्स सेवाकर्मियों को बड़ा उपहार

- घटना-दुर्घटना, आपदा का शिकार होने पर निर्धारित श्रेणी के अनुसार परिवार को मिलेगा 20 से 40 लाख तक दुर्घटना बीमा कवर
- 3.5 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मियों को ही नहीं, पारिवारिक सदस्यों समेत 17-20 लाख लोगों को मिलेगा निगम का लाभः सीएम
- ईपीएफ व ईएसआई का अंशदान भी जमा होगा, सरकार आउटसोर्स एजेंसी को देगी सर्विस चार्ज, कर्मचारी से नहीं होगी कटौती

सौगात

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों को बुधवार को बड़ा उपहार दिया। इन कर्मियों से जुड़ी सभी समस्याओं को सुनने व सुलझाने के लिए सीएम ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ करने के साथ ही यूपीकॉस के पोर्टल व वेबसाइट की लॉन्चिंग और इसके लोगो का अनावरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने आउटसोर्स कर्मियों को बढ़ाए गए पारिश्रमिक के चेक सौंपे तथा 40 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम बनने से 3.5 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मियों को ही नहीं, बल्कि उनके पारिवारिक सदस्यों समेत 17-20 लाख व्यक्तियों को इसका लाभ मिलेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

आउटसोर्स कर्मी को सीधे निकाल नहीं सकेगी कंपनी, पहले सरकार को बताना होगा, जांच के बाद होगा निर्णय

"'सैफई-रामपुर सिंडिकेट' के बाद अब एजेंसियों के माध्यम से होने वाले आउटसोर्स कर्मियों के शोषण पर होगा प्रहार
किसी व्यक्ति की कृपा पर नहीं, बल्कि श्रेणी व शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप सुनिश्चित होगा पारिश्रमिक

आउटसोर्स कर्मचारियों की गरिमा स्थापित करने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में यूपी की साढ़े 9 वर्ष में विकास यात्रा का श्रेय नगर निकाय कर्मियों, पंप ऑपरेटरों, सचिवालयों, चिकित्सालयों व शासन व्यवस्था से जुड़े स्थायी, संविदा व आउटसोर्स कर्मियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह शासन की जिम्मेदारी है कि हर व्यक्ति को गरिमा के अनुरूप सम्मान प्राप्त हो। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के जरिए हमारी सरकार का प्रयास इसी गरिमा व गौरव को स्थापित करना है।

सरकार ने समझी पीड़ा, दूर की चिंता

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की व्यवस्था तीन खेमों में बंटी थी। एक तरफ कार्मिक, दूसरी तरफ एजेंसी और तीसरी तरफ सरकारी विभाग होता था। कर्मचारी समस्या लेकर अलग-अलग दरवाजों पर जाता था, लेकिन सुनवाई नहीं होती थी। वेतन की चिंता, सामाजिक व सेवा संबंधी सुरक्षा की गारंटी भी नहीं थी। तब इन कर्मियों का प्रश्न होता था कि आखिर मेरी पीड़ा कौन सुनेगा, मेरे परिवार की चिंता कौन करेगा। हमारा मानना है कि सरकार व कर्मचारी का रिश्ता केवल वेतन और कार्य का नहीं हो सकता, वह विश्वास और जिम्मेदारी का होता है।

फास्ट न्यूज

चारधाम यात्रा में अगस्त में 2.31 लाख यात्री पहुंचे

नई दिल्ली। उत्तराखंड में अगस्त माह में बारिश भूस्खलन के बीच चारधाम यात्रा की रफ्तार ने नया रिकार्ड बनाया है। बीते चार वर्ष में यह पहला मौका है जब अगस्त में चारधाम में सबसे ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे।

रोक निर्णय

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन बैन

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी।

दिल्ली गैंगरेप केस- पीड़ित और आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले

नई दिल्ली। दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस को फोरेंसिक जांच में अहम सबूत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बस से छात्रा और दोनों आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। बस की सीटों और स्टीयरिंग व्हील से भी फोरेंसिक सैंपल लिए गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र वीर सिंह के घर आज पहुंचेंगे प्रभारी मंत्री

उसरहवा स्थित आवास पर पहुंचकर जताएंगे शोक संवेदना

मुलाकात

- 29 अगस्त को लंबी बीमारी के बाद हुआ था निधन

तमसा संकेत, संवाददाता

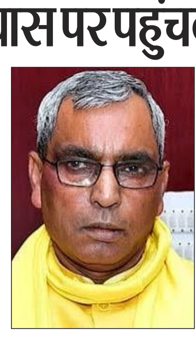

अंबेडकरनगर। वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र वीर सिंह के निधन पर जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री बृहस्पतिवार को उनके परिजनों से मुलाकात करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री दोपहर 2:15 बजे अकबरपुर के उसरहवा स्थित आवास पर पहुंचेंगे। यहां वह परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। भूपेंद्र वीर सिंह के निधन की सूचना के बाद जिले के पत्रकारिता जगत में शोक का माहौल है। बताया गया कि वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। 29 अगस्त को लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया था। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पत्रकारिता जगत में शोक

भूपेंद्र वीर सिंह के निधन के बाद जिले के पत्रकारों और पत्रकारिता से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है। उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए क्षति के रूप में देखा जा रहा है। परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए बुधवार को प्रभारी मंत्री उनके आवास पहुंचेंगे।

बयान : लोगों को गुमराह कर रहे, पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने सवाल उठाए थे

जीडीपी की आलोचना करने वाले बेरोजगार : पीयूष गोयल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि जो लोग GDP की आलोचना कर रहे हैं, देश में सिर्फ वही बेरोजगार हैं। ये तथ्यों को तोड़-मरोड़कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। गोयल ने यह बात दिल्ली में ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) की बैठक में कही। केंद्रीय मंत्री ने पूर्व RBI गवर्नर रघुराम राजन का नाम लिए बिना कहा,संभव है कि इनमें पूर्व आरबीआई गवर्नर भी शामिल हों, जो भारत में अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

>> (शेष पेज 06 पर)

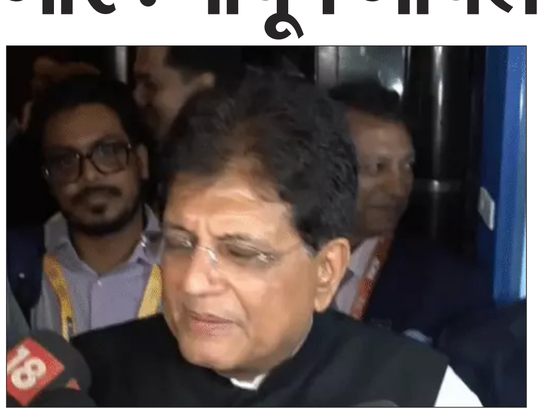

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बुधवार को दिल्ली में ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन की बैठक में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात की।

गोयल बोले- विपक्ष के पास सिर्फ टीवी पैनल पर आने का काम बचा है

गोयल ने कहा कि वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि वे खुद ही एकमात्र बेरोजगार लोग बचे हैं। उनके पास बचा एकमात्र काम टीवी पैनल पर जाना और तर्क गढ़ना और बनाना है। आंकड़ों का बचाव करते हुए मंत्री ने कहा- सत्य को छिपाया नहीं जा सकता। जब आपकी मानसिकता इतनी नकारात्मक होती है, तो एक तरह से आप खुद को छोटा कर रहे होते हैं। इसके बाद मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी का प्रचार सिर्फ "लाइट्स, कैमरा और निष्क्रियता" की कहानी है। खड़गे ने X पर लिखा, "लोगों से झूठ बोलने की आपकी क्षमता के अलावा कुछ नहीं बदला है।" उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आम लोग बेरोजगारी, महंगाई और असमानता से परेशान हैं।

"गोयल ने विपक्षी नेताओं पर भारतीय अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप में पेश करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसी वजह से भारत एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार बनकर उभरा है।

पीएम मोदी ने कहा था- यह देश के लोगों की ताकत का नतीजा

PM मोदी ने सोमवार को X पर पोस्ट शेयर कर लिखा था, 'दुनिया भर के संकटों और तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद, भारत ने इस साल की पहली तिमाही में 7.8% की GDP ग्रोथ हासिल की है। यह देश के लोगों की ताकत का नतीजा है। मंदी की आशंका जताने वाले फिर पीछे छूट गए और भारत ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की।'

सीता का चरित्र राम से बड़ा : डीके शिवकुमार

कहा- महिलाएं संसद तक नेतृत्व संभालें

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा, 'रामायण में सीता का चरित्र भगवान राम से कहीं बड़ा है। उन्होंने जो कुर्बानियां दी हैं और जितनी मेहनत की है, वह हम सभी के लिए एक मिसाल है। हमें उनसे सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा कि महिलाएं निर्माण करती हैं। उन्हें संसद तक नेतृत्व संभालना चाहिए। सरकार पूरा साथ देगी। उन्होंने यह बात बेंगलुरु में उबंटू कंसोर्टियम ऑफ वुमन एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के प्रोग्राम में कही। संसद तक महिलाओं का नेतृत्व जरूरीः शिवकुमार ने कहा, 'ग्राम पंचायतों से लेकर संसद तक महिलाओं का नेतृत्व जरूरी है। राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।' सरकार ने 5 गारंटी योजनाएं शुरू कीः सीएम ने कहा कि उन्हें युवाओं और महिलाओं की ताकत पर भरोसा है। कांग्रेस सरकार ने पांच गारंटी योजनाएं शुरू की हैं।

- कर्नाटक सरकार में एक भी महिला मंत्री नहीं

>> (शेष पेज 06 पर)

हाईकोर्ट बोला- सरकार की कहानी मनगढ़ंत, डीएम सैलरी से 5 लाख मुआवजा दें

नोएडा मजदूर प्रोटेस्ट : आकृति चौधरी की एनएसए हिरासत रद्द

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। नोएडा में मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बुधवार को कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत उनके खिलाफ जारी डिटेंशन ऑर्डर को रद्द कर दिया।

स्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की बेंच ने आकृति को 5 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया। रुपए नोएडा DM

मेधा रूपम के वेतन से देने को कहा है। इससे पहले, मंगलवार को हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से जवाब मांगा था। पूछा था- FIR से पहले शांति भंग की नोटिस दी गई थी या नहीं। कोर्ट ने मजदूरों को भड़काने वाले वीडियो और वॉट्सऐप चैट की भी डिटेल मांगी थी।

दरअसल, 13 अप्रैल 2026 को यूपी के नोएडा में मजदूरों का हिंसक प्रदर्शन हुआ। इस केस में लखनऊ के जर्नलिस्ट सत्यम वर्मा और नोएडा की एक्टिविस्ट आकृति चौधरी पर NSA लगाया गया। इन पर सोशल मीडिया पर मजदूरों को भड़काने और विदेशी फंडिंग जैसे आरोप लगाए गए थे।

> लाइव लॉ के मुताबिक, कोर्ट ने कहा-आकृति की हिरासत राज्य की ओर से पेश की गई एक 'गढ़ी हुई कहानी' पर आधारित थी। अगर किसी अन्य मामले में उनकी गिरफ्तारी जरूरी न हो तो उन्हें तत्काल रिहा किया जाए।

13 अप्रैल की तस्वीर है, जब नोएडा फेज-2 में मजदूरों का प्रदर्शन हिंसक हुआ था।

कोर्ट ने कहा- ऐसा लग रहा गिरफ्तारी के बाद नोटिस की कार्रवाई की गई

यूपी सरकार ने कोर्ट में कहा कि आकृति चौधरी को 12 अप्रैल सुबह 10:56 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 130 के तहत नोटिस भी दिया । आरोप है कि आकृति ने मजदूरों की भीड़ को आगजनी और पथराव के लिए उकसाया था।

इस पर जस्टिस अतुल श्रीधरन ने पूछा कि क्या आकृति को इससे पहले BNSS की धारा 126 के तहत नोटिस दिया गया था। सरकार ने इससे इनकार किया। BNSS की धारा 126 शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने से जुड़ी है। जज ने कहा कि धारा 130 के तहत कार्रवाई से पहले धारा 126 की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है।

बाराबंकी में बाढ़ खंड के काम में नाबालिगों से मजदूरी

5 रुपए बोरी के लिए नदी किनारे जोखिम उठा रहे बच्चे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सरयू (घाघरा) नदी की कटान रोकने के काम में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाढ़ खंड के अधिकारियों की निगरानी में 13-14 साल के बच्चों से नदी के किनारे जोखिम भरा काम कराया जा रहा है। बच्चे ईंटों से भरी बोरियां ढोकर नदी में डालते दिखाई दिए। मामला रामनगर तहसील क्षेत्र के हेतमापुर गांव का है।

बताया गया कि नदी का जलस्तर लगातार घट-बढ़ रहा है और एल्गिन ब्रिज पर पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। ऐसे में तटबंध और आसपास की आबादी को कटान से बचाने के लिए काम तेजी से चलाया जा रहा है। इसी काम के दौरान बच्चों से मजदूरी कराए जाने की तस्वीर सामने आई है।

कटान रोकने के लिए बोरियों में

ईंटें भरकर उन्हें सिलने के बाद नदी में डाला जा रहा है। मौके पर काम कर रहे 14 वर्षीय सलमान ने बताया कि एक बोरी में ईंट भरने, उसे सिलने और नदी में डालने के बदले उसे 5 रुपये मिलते हैं। सलमान के मुताबिक, वह दिनभर काम कर रहा है, लेकिन अभी तक मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है।

13 वर्षीय सतीश और अन्य नाबालिग बच्चों ने भी बताया कि उनसे 5 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से यह काम कराया जा रहा है। तेज बहाव वाली नदी के किनारे ईंटों से भरी बोरियां उठाकर ले जाने में बच्चों को काफी जोखिम उठाना पड़ रहा है।

फास्ट न्यूज

थाने में डक्कू से मिलने पहुंचे 50 से अधिक नेता

गोरखपुर । गोरखपुर में सपा नेता जफर अमीन डक्कू की गिरफ्तारी के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। बुधवार की सुबह से ही राजघाट थाने पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंचे और जफर अमीन डक्कू से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

बाराबंकी में घाघरा नदी का कटान

बाराबंकी । बाराबंकी की रामनगर तहसील के तराई इलाके में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने-घटने के बीच अब कटान ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर से केदारीपुर तक नदी लगातार किनारे की जमीन काट रही है। खेतों के बाद अब कटान पक्के मकानों तक पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीण अपने हाथों से सालों की मेहनत से बनाए घरों को तोड़कर ईंटें और जरूरी सामान सुरक्षित जगहों पर ले जाने को मजबूर हैं। नदी की तेज धारा के कारण कटान से काफी उपजाऊ जमीन और फसल नदी में बह गई है। फिलहाल, केदारीपुर और हेतमापुर के आसपास कटान की रफ्तार से ग्रामीण चिंतित हैं।

गोरखपुर में मनाया गया हलषष्ठी पर्व

गोरखपुर । गोरखपुर में बुधवार को हलषष्ठी का पर्व बहुत ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर में धार्मिक माहौल बन गया। मंदिरों, तालाबों और खुले पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। माताओं ने अपने बच्चों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन के लिए व्रत रखा। कई महिलाओं ने दिनभर बिना पानी पिए व्रत रखा और भगवान से अपने बच्चों की सलामती की प्रार्थना की।

मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्य अफरोज की अपील खारिज

43 करोड़ की संपत्ति पर गैंगस्टर कोर्ट का फैसला बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी में मुख्तार अंसारी गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे अफरोज खां उर्फ चुन्नू से जुड़े गैंगस्टर एक्ट के मामले में गैंगस्टर कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोनभद्र में कुर्क की गई करीब 43 करोड़ रुपए की संपत्तियों को लेकर दाखिल अपील खारिज कर दी है। इसके बाद इन संपत्तियों पर प्रशासन की कुर्की की कार्रवाई बरकरार रहेगी।

मामला बाराबंकी के कोतवाली नगर थाने में दर्ज अपराध संख्या 287/2022 से जुड़ा है। इसमें धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, अफरोज खां उर्फ चुन्नू और उसके गैंग के सदस्यों पर आपराधिक गतिविधियों तथा कथित बेनामी लेन-देन के जरिए अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए गए थे। पुलिस जांच के दौरान सोनभद्र के ओबरा तहसील क्षेत्र के पटवध और बिल्ली मारकुंडी में कई संपत्तियों का पता चला था। पुलिस-प्रशासन के अनुसार, चिह्नित संपत्तियां अफरोज खां के भाई उमेर खां और उनकी पत्नी यास्मीन बानो के नाम पर दर्ज थीं। इनमें करीब 12 भूखंड, अन्य जमीनें, चार मंजिला मकान और बेसमेंट समेत बहुमंजिला कटरा शामिल है। प्रशासन ने इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 43 करोड़ रुपए आंकी थी। प्रशासन के मुताबिक, जांच के बाद बाराबंकी के जिला मजिस्ट्रेट ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत संपत्तियों को राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क करने का आदेश दिया था।

योगी ने बेटे को फोन किया, कहा- हिम्मत रखिए, 4 बार विधायक रहे

भाजपा विधायक अनिल शर्मा का दिल्ली में कैंसर से निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर के शिकारपुर से भाजपा विधायक अनिल शर्मा का निधन हो गया। बुधवार दोपहर 12 बजे दिल्ली के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

63 साल के अनिल शर्मा 2023 से कैंसर से जूझ रहे थे। वह चार बार विधायक रहे और योगी सरकार के पहले कार्यकाल में राज्य मंत्री (वन एवं पर्यावरण) थे।

सीएम योगी ने विधायक के बेटे कुश शर्मा से फोन पर बात की। कहा- हमारी संवेदनाएं आपके साथ है। हिम्मत रखिए। सीएम ने पूछा कि अंतिम संस्कार कब करेंगे। बेटे ने बताया कि अंतिम संस्कार कल ही हो

पाएगा। अभी डिस्चार्ज की प्रोसेस पूरी करा रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा- उनके निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी गहन संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। शोक संतप्त परिजनों व समर्थकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा- अनिल शर्मा का निधन प्रदेश की राजनीति एवं सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण एवं अपने क्षेत्र के विकास में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

प्रधानी के चुनाव से सियासी शुरुआत, 4 बार विधायक बने

बुलंदशहर के सुरजावली गांव के रहने वाले अनिल शर्मा की राजनीतिक शुरुआत प्रधानी के चुनाव से हुई। वह निर्विरोध प्रधान चुने गए। 2002 में पहली बार खुर्जा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए। इसके बाद 2007 में लगातार दूसरी बार खुर्जा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीते।

2012 में शिकारपुर सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव हार गए। इसके बाद भाजपा जॉइन कर ली। 2017 में भाजपा के टिकट पर शिकारपुर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए और योगी सरकार में पर्यावरण राज्य मंत्री बने। 2022 में लगातार दूसरी बार भाजपा के टिकट पर शिकारपुर से जीत हासिल की।

> पिछले साल मऊ की घोसी सीट से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया था। हालांकि, इन सीटों पर अब उपचुनाव नहीं होगा, क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने में अब एक साल से भी कम समय बचा है।

घायल युवक की रास्ते में मौत, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पारिवारिक विवाद में चाकूबाजी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र में सोमवार शाम शराब के नशे में पारिवारिक विवाद के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि बहन के साथ मारपीट के बाद युवक का अपने पिता से विवाद हो गया। इसी दौरान पिता ने कथित रूप से चाकू से बेटे पर हमला कर दिया। चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बाराबंकी के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन उसे लखनऊ लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाभी और पत्नी लेकर पहुंचीं अस्पताल

बताया गया कि घटना के समय घर में तत्काल कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। घायल चंद्रकेश को उसकी भाभी मैना और पत्नी शीला देवी निजी वाहन से उपचार के लिए लेकर निकलीं। परिजनों ने बताया कि उन्होंने पहले आसपास के चिकित्सकों से उपचार कराने का प्रयास किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बाराबंकी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। बाराबंकी के निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल का उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उसे लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन चंद्रकेश को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए। रास्ते में उसकी हालत अचानक बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव को लेकर वापस गांव पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी।

बहन के सिर में लगी गंभीर चोट

परिजनों के अनुसार मारपीट के दौरान रंगोली के सिर में गंभीर चोट लग गई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। बहन के साथ मारपीट की जानकारी होने पर पिता बच्चाराम मौके पर पहुंचे। इस दौरान पिता-पुत्र के बीच भी कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान बच्चाराम के हाथ में चाकू था और गुस्से में उसने अपने बेटे चंद्रकेश पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से चंद्रकेश गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा।

> परिजनों के मुताबिक चंद्रकेश पांच भाई-बहनों में एक था। परिवार में तीन भाई और दो बहनें हैं। बड़े भाई और उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, और बड़े भाई की पिछले साल एक्सीडेंट में मौत हो चुकी है जबकि छोटी बहन और एक भाई अभी परिवार के साथ रहते हैं। चंद्रकेश की मौत के बाद पत्नी शीला देवी, भाभी मैना, भाई-बहनों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे गांव में भी मातम का माहौल है।

13 दिन से बंद पड़ा स्कूल जाने का रास्ता

बाराबंकी में बच्चों की पढ़ाई पर संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज ब्लॉक में बारिश के बाद टूटा संपर्क मार्ग अब ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। 19 अगस्त से करीब 13 दिन से रास्ता बंद पड़ा है। इससे खुशहाल और जयचंदमऊ गांव के करीब 27 बच्चों के सामने स्कूल पहुंचने का संकट खड़ा हो गया है। रास्ता बंद होने के कारण बच्चों को करीब दो किलोमीटर दूर दूसरे रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ रहा है। खराब रास्ते और लंबी दूरी के कारण कई बच्चों ने स्कूल जाना तक छोड़ दिया है।

ग्रामीणों के मुताबिक, बारिश के दौरान स्कूल जाने वाला संपर्क मार्ग बुरी तरह टूटकर बह गया। इसके बाद इस रास्ते से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। गांव में वाहनों की आवाजाही भी बंद है। इससे बच्चों की

पढ़ाई के साथ ग्रामीणों के रोजमर्रा के काम भी प्रभावित हो रहे हैं। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। ग्रामीणों ने टूटे हुए रास्ते पर प्रदर्शन कर प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बंद होने का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने और शिक्षा को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन गांव में संपर्क मार्ग बंद होने के कारण बच्चे स्कूल जाने से ही वंचित हो रहे हैं।

जांच : मास्टरमाइंड आलोक की गिरफ्तारी के बाद एक्शन

वाराणसी समेत देश के 14 शहरों में ईडी की रेड

टोल वसूली और फर्जी फास्टैग का मामला

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी समेत देशभर में एक साथ 14 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को छापेमारी की। यह छापेमारी फर्जी टोल कलेक्शन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई। टीम ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, पश्चिम बंगाल और NCR से जुड़े कार्यालयों और आवासों पर कार्रवाई की।

फर्जी FASTag के जरिए ओवरलोडेड और कमर्शियल वाहनों को टोल से पार कराने के मामले में मास्टरमाइंड आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी ने कार्रवाई तेज कर दी है।

जांच में सामने आया है कि फर्जी FASTag और पायरेटेड सॉफ्टवेयर के जरिए ओवरलोडेड और कमर्शियल वाहनों को टोल से पार कराया जा रहा था। इस नेटवर्क में बड़ी संख्या में खनन से जुड़े ट्रकों के शामिल होने की बात सामने आई है। वाराणसी के लाला नगर टोल प्लाजा पर स्टांप चोरी के मामले को भी जांच के दायरे में रखा गया है। अब तक की जांच के अनुसार, NHAI के सर्वर के समानांतर फर्जी या पायरेटेड सॉफ्टवेयर तैयार कर अवैध वसूली का नेटवर्क चलाया जा रहा था। आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ करीब 5% वसूली दिखाई जाती थी, जबकि बाकी 95% रकम में हेराफेरी की जा रही थी। ED की जांच अब देशभर के 200 से ज्यादा टोल प्लाजा तक पहुंच गई है। इनमें उत्तर प्रदेश के करीब 100 टोल प्लाजा भी शामिल बताए जा रहे हैं। एजेंसी कई व्यक्तियों और संस्थाओं की भूमिका की जांच कर रही है। ED की टीमें टोल संचालकों, IT कर्मचारियों और आरोपियों के बीच कथित रकम के लेनदेन की जांच कर रही हैं। छापेमारी के दौरान डिजिटल रिकॉर्ड, बैंक खातों और संदिग्ध या बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

हरहुआ से ऑपरेट हो रहा था नेटवर्क

वाराणसी से टोल घोटाले के मास्टरमाइंड आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि वह हरहुआ में रहकर नेटवर्क संचालित कर रहा था। यहीं से ट्रकों के लिए फर्जी FASTag तैयार किए जाने की बात सामने आई है।

परीक्षा दी, फिर भी मार्कशीट में चढ़ा अब्सेंट

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में परीक्षा देने के बाद भी छात्रों की मार्कशीट में 'अब्सेंट' दर्ज होने का मामला सामने आया है। सोमवार को इस समस्या को लेकर कई छात्र एडी बिल्डिंग पहुंचे। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा देने के बावजूद रिजल्ट में उन्हें अनुपस्थित दिखा दिया गया और अब गलती सुधाराने के लिए उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। आर्ट फैकल्टी की सेकेंड सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशु यादव ने बताया कि उनके फर्स्ट सेमेस्टर के रिजल्ट में हिंदी विषय के इंटरनल में 'अब्सेंट' दर्ज है। जबकि उन्होंने इस परीक्षा में शामिल होकर पेपर दिया था।

वहीं, पॉलिटिकल साइंस की छात्रा जागृति ने बताया कि उन्होंने पॉलिटिकल हिस्ट्री विषय की परीक्षा दी थी। परीक्षा के दौरान पी-7 पर सिग्नेचर भी किया था। इसके बावजूद मार्कशीट में एक्सटर्नल में उन्हें 'अब्सेंट' कर दिया गया।

बीएचयू कुलपति कार्यालय के बाहर छात्रों का हंगामा

सुरक्षाकर्मियों से धक्का मुक्की, बोले- पेड़ कटाई के मामले में जिम्मेदारों पर हो कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पेड़ कटाई के मामले को लेकर छात्र केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। यहां छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय प्रशासन पर मामले में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। कुलपति कार्यालय के बाहर छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच नोकझोंक और धक्कामुक्की हो गई।

बाद में सुरक्षाकर्मियों ने छात्रों को कार्यालय परिसर से बाहर कर चैनल गेट बंद कर दिया। इसके विरोध में छात्रों ने नारेबाजी की और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ 'मुर्दाबाद' के नारे लगाए।

प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि बीएचयू में पेड़ों की कटाई से जुड़े मामले में उन्होंने करीब एक महीने

पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। छात्रों के मुताबिक, ज्ञापन देने के बावजूद अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। छात्रों ने आरोप लगाया कि वे लगातार विश्वविद्यालय के अधिकारियों से जवाब मांग रहे हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि पिछले 12 दिनों से लगातार कुलपति कार्यालय और कुलसचिव कार्यालय की ओर से उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। छात्र प्रतिनिधिमंडल में सत्यम सिंह, अमन मौर्य, नितेश राय, निशांत और अश्विनी शामिल रहे। छात्र कुलपति से मुलाकात कर अपनी मांग रखने पर अड़े रहे। उनका कहना था कि जब मामले में गंभीर आरोप और 2.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का विषय सामने आया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी छात्रों को देनी चाहिए। छात्रों ने कहा- कार्यालय के कर्मचारियों ने यह स्वीकार किया कि उनके द्वारा दिया गया आवेदन कुलपति तक पहुंच चुका है। इसके बावजूद छात्रों को कुलपति की ओर से किसी कार्रवाई अथवा जवाब की जानकारी नहीं मिली।

यूपीसीओएस की शुरुआत से बदलेगा आउटसोर्स कर्मचारियों का सेवा प्रबंधन

आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती अब ऑनलाइन

पारदर्शी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को लखनऊ के लोक भवन से उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) का शुभारंभ किया गया। पोर्टल और वेबसाइट लॉन्च की गई तथा निगम के लोगो का अनावरण हुआ। अंबेडकरनगर कलेक्ट्रेट सभागार में इसका सजीव प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडे, कटेहरी

विधायक धर्मराज निषाद, अकबरपुर नगरपालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश वर्मा, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और आउटसोर्स कर्मचारी मौजूद रहे। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी डिजिटल व्यवस्था में शामिल की गई है। कर्मचारी अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकेगा और उसके निस्तारण की स्थिति भी देख सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी आउटसोर्स कंपनी को कर्मचारी को मनमाने तरीके से हटाने की अनुमति नहीं होगी। किसी कर्मचारी को हटाने की आवश्यकता होने पर पहले सरकार को इसकी जानकारी देनी होगी। मामले की जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। यदि कर्मचारी के खिलाफ शिकायत या रिपोर्ट गलत पाई जाती है तो उसके आधार पर कार्रवाई नहीं होगी। UPCOS और स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के तहत कर्मचारियों को वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं देने की जानकारी दी गई।

भर्ती से वेतन तक, एक डिजिटल सिस्टम में आएगा पूरा रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया अब ऑनलाइन और पारदर्शी बनाई जाएगी। भर्ती योग्यता और मेरिट के आधार पर होगी। राज्य सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाएगा। भर्ती के बाद पोस्टिंग, अटेंडेंस, वेतन, ग्रेच्युटी, इंश्योरेंस और अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन और निगरानी की जाएगी। कर्मचारी अपनी सेवा से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर देख सकेंगे।

वेतन से सर्विस चार्ज काटा तो कार्रवाई का रास्ता साफ

नई व्यवस्था में कर्मचारी के वेतन से सर्विस चार्ज की कटौती नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी का वेतन सीधे उसके बैंक खाते में भेजा जाएगा। आउटसोर्सिंग एजेंसी को सरकार अलग से सेवा शुल्क देगी। EPF और ESI का योगदान भी नियमित रूप से जमा करने की व्यवस्था की जाएगी। कर्मचारी पोर्टल पर वेतन और उससे होने वाली कटौती की जानकारी भी देख सकेगा।

सीएम युवा योजना में 1,874 आवेदन बैंक पहुंचे, 505 युवाओं को मिला ऋण

2,200 युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य

■ जिलाधिकारी ने बैंकों से लंबित आवेदनों पर तेजी लाने को कहा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने वाली मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना की प्रगति को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बैंकवार स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों के निस्तारण और स्वीकृत मामलों में जल्द ऋण वितरण के निर्देश दिए।

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले को 2,200 युवाओं का लक्ष्य मिला है। अब तक 1,874 आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं। इनमें 520 आवेदन

स्वीकृत हो चुके हैं और 505 मामलों में ऋण वितरित किया जा चुका है।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकों की प्रगति अलग-अलग देखी। उन्होंने पात्र आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए।

स्वीकृत मामलों में ऋण वितरण की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी करने को कहा गया, ताकि युवा समय पर अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। सीएम युवा योजना के तहत विभिन्न विभागों और प्रशिक्षण संस्थानों को कुल 6,600 का लक्ष्य आवंटित किया गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को पोर्टल पर गुणवत्तापूर्ण आवेदन कराने के निर्देश दिए। आवेदनों की सूची और पंजीकरण संख्या उद्योग विभाग को उपलब्ध कराने तथा प्रगति की नियमित जानकारी देने को भी कहा गया। बैठक में एक जनपद एक व्यंजन योजना की भी समीक्षा हुई। जिले को इस योजना में 10 का लक्ष्य मिला है। इसके सापेक्ष अब तक चार आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलाधिकारी ने इन मामलों में जल्द ऋण वितरण कराने के लिए बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया। उपायुक्त उद्योग को योजना के तहत और आवेदन प्राप्त करने को कहा गया।

फास्ट न्यूज

शिक्षा जगत ने खोया अनुभवी शिक्षक नेता

अंबेडकरनगर। शिक्षा जगत से जुड़े वरिष्ठ शिक्षक और शिक्षक नेता सत्यनारायण सिंह का 31 अगस्त की रात निधन हो गया। वह हीरालाल जायसवाल इंटर कॉलेज किछौछा के पूर्व प्रधानाचार्य थे। अवकाश प्राप्त माध्यमिक शिक्षक संघ में जिला संरक्षक की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। उनके निधन की सूचना के बाद शिक्षकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक की लहर है।

जनसेवा केंद्र में चोरी, दो लाख का सामान ले गए चोर

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के कुर्की महमूदपुर गांव में चोरों ने जनसेवा केंद्र को निशाना बनाया। चोर केंद्र से करीब दो लाख रुपये कीमत का सामान चोरी कर ले गए। जाते समय लैपटॉप, कंप्यूटर और हार्ड डिस्क समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। गांव निवासी प्रदीप पुत्र ओरीलाल के मकान में जन सेवा के देव जन सेवा केंद्र संचालित होता है। रात में चोरों ने केंद्र में प्रवेश कर वहां रखे उपकरणों को तोड़ा। इसके बाद करीब दो लाख रुपये का सामान लेकर फरार हो गए।

स्कूलों में गूंजी नशामुक्ति की शपथ

अंबेडकरनगर। नशामुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कक्षाओं से लेकर विद्यालय परिसर तक विद्यार्थियों को नशे के नुकसान बताए गए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने नशीले पदार्थों से दूर रहने की शपथ ली। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि नशे की आदत स्वास्थ्य के साथ पढ़ाई और पारिवारिक जीवन पर भी असर डाल सकती है।

औचक निरीक्षण में स्कूल पहुंचीं बीएसए बच्चों से पूछे सवाल और खुद पढ़ाया पाठ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ाई और व्यवस्थाओं की स्थिति जानने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने बुधवार को तीन विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों से सवाल पूछे और पढ़ाई का स्तर परखा। इस दौरान खुद भी शिक्षण कार्य किया।

निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यालय की व्यवस्था, मध्याह्न भोजन और बच्चों को दिए जा रहे दूध की गुणवत्ता भी जांची गई। सुबह 8:20 बजे बीएसए प्राथमिक विद्यालय सम्मोपुर पहुंचीं। विद्यालय में बच्चे और शिक्षक उपस्थित मिले। रसोई में मध्याह्न भोजन के लिए तहरी तैयार की जा रही थी।

उन्होंने बच्चों से सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे। इसके बाद कक्षा तीन में पहुंचकर हिंदी की कक्षा ली। बच्चों से पाठ पढ़वाकर उनकी समझ और पढ़ने की क्षमता परखी।

■ सम्मोपुर, सिझौली और मोहसिनपुर के विद्यालयों में जांची पढ़ाई और व्यवस्थाएं रसोई से लेकर दूध की गुणवत्ता तक परखी

सुबह नौ बजे अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सिझौली का निरीक्षण किया गया। विद्यालय परिसर और कक्षाओं में टीएलएम आधारित शिक्षण सामग्री की व्यवस्था देखकर बीएसए ने प्रधानाध्यापक की सराहना की। उन्होंने कक्षा चार और पांच में कुछ समय तक शिक्षण कार्य किया। बच्चों से सामान्य जानकारी से जुड़े सवाल भी पूछे।

नौ उपनिरीक्षकों समेत तबादले, बिड़हर चौकी की कमान नागेंद्र प्रताप को

त्योहारों से पहले पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

17 पुलिसकर्मियों के बदले कार्यक्षेत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले की कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार रात नौ उपनिरीक्षकों समेत 17 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र बदल दिए। सभी को तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। उपनिरीक्षक नागेंद्र प्रताप सिंह को कोतवाली अकबरपुर से जहांगीरगंज की बिड़हर चौकी का प्रभारी बनाया गया है। बिड़हर चौकी प्रभारी रहे चंद्रकांत सिंह को कोतवाली अकबरपुर भेजा गया है।

रामबचन यादव को पुलिस लाइन से जहांगीरगंज, रमेश यादव को बेवाना और बृजलाल को कोतवाली

आलापुर भेजा गया है। शिवजीत बहादुर सिंह को पुलिस लाइन से कोतवाली अकबरपुर और अमलेश यादव को कोतवाली आलापुर में तैनाती दी गई है। रामखेलाड़ी हरिजन को कोतवाली आलापुर से जैतपुर और कृष्णा यादव को जहांगीरगंज से सम्मनपुर भेजा गया है। महिला मुख्य आरक्षी सरोज यादव को कटका से कोतवाली अकबरपुर भेजा गया है। पुलिस लाइन से सत्येंद्र प्रसाद को जैतपुर, शिवाजी यादव को राजेसुल्तानपुर और कृष्ण पाल को कोतवाली टांडा में तैनाती दी गई है। कपिल रावत और मो. शाहरूख को सम्मनपुर भेजा गया है। अजय चौधरी को इब्राहिमपुर से कोतवाली अकबरपुर और मुलायम यादव को पुलिस लाइन से कटका भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा, आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस की तैनाती और जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। नई तैनाती का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना और आम लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

नहर में मिला लापता युवक का शव, डूबने की आशंका

शाहपुर औरांव नहर में बुधवार सुबह मिला शव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के शाहपुर औरांव नहर में बुधवार सुबह करीब 40 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाकर पहचान कराई। मृतक की पहचान ख्वाजेबड़ापुर गांव निवासी राम केदार के बेटे उमेश के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक उमेश मंगलवार सुबह किसी काम से घर से निकले थे। देर शाम तक वापस नहीं आने पर परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उनका पता नहीं चला। परिजन उनकी तलाश में जुटे थे। इसी बीच बुधवार सुबह शाहपुर औरांव नहर में युवक का शव मिलने की सूचना मिली। शव मिलने की जानकारी पर आलापुर

■ काम से निकला था, देर शाम तक नहीं लौटा
■ सूचना पर पहुंची पुलिस, शव पोस्टमार्टम को भेजा
■ पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगी मौत की वजह

पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया और परिजनों से पहचान कराई। उमेश की पहचान होने के बाद परिवार में मातम छा गया। इंस्पेक्टर वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में युवक के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं।

नेवादा उपकेंद्र से जुड़ी बिजली आपूर्ति ठप, शिकायत लेकर पहुंचे प्रधान प्रतिनिधि

तीन दिन से अंधेरे में रत्न गांव गर्मी में बेहाल सैकड़ों परिवार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नेवादा बिजली उपकेंद्र से जुड़े रत्न गांव में तीन दिन से बिजली आपूर्ति ठप है। उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर बंद होने से ग्रामीण परेशान हैं। बिजली नहीं होने से पेयजल आपूर्ति, मोबाइल चार्जिंग और घरों के दूसरे जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं। लगातार तीन दिन तक आपूर्ति बहाल न होने से ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। जेई के उपकेंद्र पर मौजूद नहीं होने पर अशोक यादव ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब रत्न गांव में तीन दिन से बिजली आपूर्ति बाधित है और लोग परेशान हैं, तो संबंधित अधिकारी मौके पर समस्या का समाधान क्यों

> ग्रामीणों का आरोप है कि जेई के उपकेंद्र पर आने का कोई निश्चित समय नहीं है। बिजली संबंधी शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों को कई बार घंटों इंतजार करना पड़ता है।

नहीं करा रहे हैं।

उपकेंद्र पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने भी इस पर नाराजगी जताई।

ग्रामीणों ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने और खराबी का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक यादव ने कहा कि तीन दिन बीतने के बाद भी बिजली समस्या का पक्का समाधान नहीं किया गया है।

शिकायत लेकर उपकेंद्र पहुंचे प्रधान प्रतिनिधि

गांव की बिजली समस्या को लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक यादव नेवादा बिजली उपकेंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि वह जिम्मेदार अधिकारी से मिलने के लिए काफी देर तक इंतजार करते रहे।

उनके अनुसार सुबह 11 बजे तक जेई उपकेंद्र पर नहीं पहुंचे। मौजूद कर्मचारियों से पूछने पर उन्हें बताया गया कि जेई फील्ड में हैं।

पानी से लेकर मोबाइल चार्जिंग तक प्रभावित

तीन दिन से बिजली न होने का असर गांव की रोजमर्रा की व्यवस्था पर पड़ा है। पंखे-कूलर बंद होने से गर्मी में परेशानी बढ़ गई है। पेयजल सप्लाई प्रभावित होने के साथ मोबाइल फोन चार्ज करने में भी लोगों को दिक्कत हो रही है।

हेल्थ डैशबोर्ड में छठे पायदान पर अंबेडकरनगर टॉप रैंक की तैयारी

गोल्डन कार्ड में पिछड़ी भीटी इकाई पर सख्ती

■ 30 सितंबर तक रोज 50 कार्ड बनाने का लक्ष्य डेंगू-मलेरिया वाले इलाकों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य सेवाओं की रैंकिंग में अंबेडकरनगर ने प्रदेश में छठा स्थान हासिल किया है। अब जिला प्रशासन की नजर रैंकिंग में और सुधार पर है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमजोर प्रदर्शन वाले बिंदुओं पर जिम्मेदारी तय करते हुए अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग के

अधिकारी मौजूद रहे। आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाने की प्रगति अपेक्षित नहीं मिली। जिलाधिकारी ने इस पर भीटी के एमओआईसी का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए।

सभी एमओआईसी को 30 सितंबर तक प्रतिदिन कम से कम 50 गोल्डन कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया गया है। अधिकारियों को प्रगति में तेजी लाने के साथ नियमित निगरानी करने को कहा गया। संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान की समीक्षा के दौरान डेंगू और मलेरिया पर विशेष फोकस किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जहां मरीज मिलें, वहां तत्काल निरोधात्मक कार्रवाई कराई जाए।

साफ-सफाई, फॉगिंग और जागरूकता गतिविधियों को भी साथ-साथ चलाने को कहा गया, ताकि संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके।

जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई। मेडिकल कॉलेज के अलावा बसखारी, जहांगीरगंज और जलालपुर में प्रगति सुधारने के निर्देश दिए गए।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से देने पर जोर दिया गया।

छात्रा की चेन लूटने की कोशिश विरोध पर धमकी देकर भागे बाइक सवार

अछती बाजार से पीछा करने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के जुनेदपुर बाजार में मंगलवार देर शाम नर्सिंग छात्रा से सोने की चेन लूटने के प्रयास का मामला सामने आया है। छात्रा का आरोप है कि दो बाइक सवार युवकों ने अछती बाजार से उसका पीछा किया और जुनेदपुर बाजार के आखिरी छोर पर ओवरटेक कर स्कूटी रोक दी। इसके बाद गले से चेन खींचने की कोशिश की। छात्रा के विरोध करने पर दोनों युवकों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोनों बाइक सवार मौके से फरार हो गए। सिपाह गांव निवासी नर्सिंग छात्रा अकबरपुर-टांडा रोड स्थित पूर्वांचल मेडसिटी अस्पताल से स्कूटी से घर लौट रही थी। छात्रा के मुताबिक अछती बाजार से ही दो बाइक सवार उसके पीछे लग गए थे। पीछा किए जाने का एहसास होने के बावजूद

■ बाजार के आखिरी छोर पर ओवरटेक कर रोकी स्कूटी

छात्रा घर की ओर बढ़ती रही। जुनेदपुर बाजार के अंतिम छोर पर दोनों ने स्कूटी को ओवरटेक किया और रास्ता रोक दिया। आरोप है कि दोनों युवकों ने छात्रा के गले से सोने की चेन खींचने की कोशिश की। छात्रा ने विरोध किया तो दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वे वहां से भाग निकले। घटना से घबराई छात्रा घर पहुंची और परिजनों को पूरी जानकारी दी।

उत्पादन : राजितराम ने खड़ा किया 60 हजार की कमाई वाला कारोबार

मिट्टी के चाक से निकली तरक्की की राह

■ माटीकला रोजगार योजना से पांच लाख का ऋण, इलेक्ट्रिक चाक और पग मिल ने बढ़ाया उत्पादन सात लोगों को मिला काम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोबरहा बसंतपुर के राजितराम प्रजापति ने पुश्तैनी कुम्हारी को आधुनिक तकनीक से जोड़कर कारोबार का दायरा बढ़ाया है। कभी सीमित संसाधनों में दीये और मटके बनाने वाले राजितराम अब कप, प्लेट, गिलास और कुल्हड़ समेत कई तरह के मिट्टी के उत्पाद तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत मिले ऋण और अनुदान से उन्होंने आधुनिक उपकरण लगाए। इससे

उनका उत्पादन करीब तीन गुना हुआ और शुद्ध मासिक आय 55 से 60 हजार रुपये तक पहुंच गई।

पहले उनका कारोबार मुख्य रूप से दीये और मटके बनाने तक सीमित था। अब वे मिट्टी के कप, प्लेट, गिलास, कुल्हड़ और दूसरे उपयोगी उत्पाद भी बना रहे हैं।

उत्पादों की संख्या बढ़ने के साथ कारोबार का बाजार भी बढ़ा। इसका सीधा असर आय पर पड़ा। आधुनिक उपकरणों के बाद राजितराम का कारोबार पहले की तुलना में काफी बढ़ा है। वर्तमान में उनका शुद्ध मासिक मुनाफा करीब 55 से 60 हजार रुपये तक बताया गया है। कारोबार बढ़ने के साथ उन्होंने पांच महिलाओं और दो पुरुषों समेत सात लोगों को रोजगार दिया है।

हाथ का चाक छोड़ा, इलेक्ट्रिक चाक अपनाया

ऋण मिलने के बाद राजितराम ने कारोबार में तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया। हाथ से चलने वाले पारंपरिक चाक की जगह इलेक्ट्रिक चाक लगाया। मिट्टी तैयार करने के लिए पग मिल मशीन भी स्थापित की।

मशीनों के इस्तेमाल से काम की रफ्तार बढ़ी और श्रम कम हुआ। राजितराम के अनुसार इससे दैनिक उत्पादन करीब तीन गुना हो गया।

योजना की मदद मिली तो चाक ने पकड़ी रफ्तार

राजितराम वर्षों से पारंपरिक कुम्हारी का काम कर रहे थे। कारोबार बढ़ाने की इच्छा थी, लेकिन पूंजी और आधुनिक उपकरणों की कमी बड़ी बाधा थी। वर्ष 2024 में उन्हें उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड और उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने पांच लाख रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया। बैंक ऑफ बड़ौदा की बसंतपुर शाखा से उन्हें पांच लाख रुपये का ऋण मिला। योजना के तहत 25 प्रतिशत सब्सिडी/अनुदान का लाभ भी मिला।

2027 तक बाल श्रम मुक्त होगा अंबेडकरनगर

'सावधान' स्टीकर से शुरू होगा जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'सावधान' स्टीकर का विमोचन किया गया। इसके जरिए बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

इससे पहले आउटसोर्स कार्मिकों के हित और श्रमिक कल्याण योजनाओं से संबंधित मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण हुआ। कार्यक्रम में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के तहत 10 पात्र श्रमिकों को हितलाभ प्रमाणपत्र दिए गए। विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडेय और जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों को हितलाभ प्रमाणपत्र वितरित किए। जनप्रतिनि-

धियों ने श्रमिक कल्याण योजनाओं की सराहना करते हुए पात्र श्रमिकों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि अंबेडकरनगर को 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए विभागों के साथ जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने संबंधित विभागों को बाल श्रम उन्मूलन के प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाने और लोगों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आउटसोर्स कार्मिकों के हित में की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं और श्रमिक कल्याण योजनाओं से जुड़े मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया।

सम्पादकीय

आर्थिकी के अच्छे दिन

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहना इसलिए सुखद आश्चर्य का विषय है, क्योंकि ऐसे आंकड़े वैश्विक उथल-पुथल और विशेष रूप से ऊर्जा उत्पादों की ऊंची कीमतों के बाद भी सामने आए। अनेक अर्थशास्त्री ऐसी आशा नहीं कर रहे थे। इसलिए और भी, क्योंकि पिछले साल इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.9 प्रतिशत रही थी और अंतर-राष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य चुनौती भरा दिखाई दे रहा था।

इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहने का एक बड़ा कारण घरेलू मांग कायम रहना है। इसके अलावा सरकारी कैपिटल खर्च, मैन्यूफैक्च-रिंग, कंस्ट्रक्शन और एक्सपोर्ट ने भी जीडीपी वृद्धि में योगदान दिया। यह स्वाभाविक है कि जीडीपी के उम्मीद से अच्छे आंकड़ों पर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और इन्हें निराशावादियों के लिए झटका बताया। यह स्पष्ट है कि उनका संकेत उनकी ओर था, जो कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताए जाने के खीझ भरे दावे का समर्थन कर रहे थे।

जीडीपी के आकर्षक आंकड़े यह भी रेखांकित कर रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका से व्यापार समझौता न हो पाने के बाद भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। चूंकि इसमें उन व्यापार समझौतों का योगदान रहा, जो पिछले कुछ समय में कई देशों के साथ हुए, इसलिए ऐसे समझौतों का सिलसिला कायम रहना चाहिए। इससे अर्थव्यवस्था को बल देने के साथ अमेरिका के दबाव का प्रतिकार करने में भी सफलता मिलेगी। 7.8 प्रतिशत विकास दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर सबसे तेज बढ़ती आर्थिकी बनी, लेकिन भारत को इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। विकास दर बढ़ने के साथ ही भारतीय नागरिकों की औसत आय बढ़ना भी आवश्यक है। इसके लिए भारत का लक्ष्य आठ प्रतिशत से अधिक विकास दर हासिल करना होना चाहिए। ऐसा इसलिए होना चाहिए, क्योंकि एक तो भारतीय अर्थव्यवस्था इस लक्ष्य को पाने की क्षमता रखती है और दूसरे ऐसी विकास दर ही देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को आसान बना सकती है। इससे ही निर्धनता को दूर करने के उपायों को बल देने में सफलता मिलेगी। अब जब यह स्पष्ट है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ ने जीडीपी को सहारा देने का काम किया, तब फिर इस सेक्टर की क्षमता में वृद्धि होनी चाहिए। मैन्यूफैक्च-रिंग के अलावा कंस्ट्रक्शन सेक्टर ने भी जीडीपी को बल दिया। सबसे ज्यादा लोगों को काम देने वाला यह सेक्टर और फले-फूले, लेकिन गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरते हुए। यह देखने की जिम्मेदारी नीति-नियंताओं की है। उन्हें इसके प्रति भी सतर्क रहना होगा कि कमजोर मानसून अगली तिमाही की विकास दर को प्रभावित न करने पाए।

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

> अंतरराष्ट्रीय जीवन में भी श्रीकृष्ण का संदेश महत्वपूर्ण है। आज दुनिया संघर्षों, युद्धों, अविश्वास और शक्ति-संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण की नीति कहती है-पहले संवाद, फिर समन्वय और अंततः न्याय की रक्षा के लिए आवश्यक शक्ति।

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्र-बंधन, नेतृत्व, संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय उनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले। उनका व्यक्तित्व एक अद्भुत समन्वय है। वे अर्जुन के सारथी हैं और साथ ही विश्वरूप के दर्शन कराने वाले योगेश्वर। वे सुदामा के मित्र हैं और अत्याचारियों के लिए सुदर्शन चक्रधारी। वे बांसुरी की मधुरता हैं तो धर्मरक्षा के लिए आवश्यक कठोरता भी। वे प्रेम हैं, करुणा हैं, नीति हैं, रणनीति हैं, त्याग हैं और कर्म हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को किसी एक सीमा में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा। श्रीकृष्ण का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का बहुआयामी विकास करना चाहिए। परंपरा में उनके द्वारा चौंसठ कलाओं के ज्ञान का उल्लेख मिलता है। इसका व्यापक संदेश यह है कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया है। आज के समय में जब शिक्षा को केवल अंक, नौकरी और प्रतियोगिता तक सीमित करने का खतरा है, श्रीकृष्ण का जीवन हमें ज्ञान, कला, कौशल, सृजनशीलता और चरित्र के समन्वय की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की राजनीति सत्ता प्राप्ति की राजनीति नहीं, बल्कि लोककल्याण और धर्मस्थापना की राजनीति थी।

ललित गर्ग

यह भी तो है ज्ञान

विभाव का अभाव हो, रहें हम स्वभाव में।अनेकांत सहज हो वैचारिक मतभेद से क्यों रहें हम ताव में।हम अपने सहज स्वभाव में रहें क्योंकि घर में,समाज में सब मनुष्यों के स्वभाव मिलना सम्भव ही नहीं है क्योंकि अपने अपने कर्मसंस्कारों के अनुरूप कोई किस गति से अवतरित हुए है और कोई किस गति से तो सब एक जैसे कर्मसंस्कारों से युक्त हो ये सम्भव नहीं लेकिन हम सबके विचारो को महत्व दें ।अपने विचारों का आग्रह न हो हम में ये हमें अनेकांत का सिद्धांत सीखाता है जो भगवान महावीर की हम पर अनुकम्पा करके दी हुई महत्वपूर्ण पद्दति है ।सब जगह सामंजस्य बैठाने में बहुत उपयोगी है ।मिल-जुल कर रहना सीखें ।विनम्रता से कहना सीखें ।सुनना पड़े या करना पड़े कुछ इच्छा के विपरीत तो सहना सीखें ।सरलता से किसी कटुता को नज़रअंदाज़ करना सीखें ।छोटी-छोटी बातों को दरकिनार करें ।चुभ जाये काँटा भी कभी तो सहजता से उसे निकाल फेंकें । नम्रता और सरलता से जीवन को समृद्ध बनायें ।अनाग्रही चेतना के विकास से ये सब सम्भव है।हम अपने साथ साथ दूसरे के साथ तालमेल बैठाकर सहज जीवन का लाभ ले सकते है सहजता से। चित्त की उदारता का रसीला मिश्रण मिलायें ।सामंजस्य की मिठास से उसे सुस्वादु बनायें ।ये उत्तम और सुखद जीवन के गुर हैं ।खुशहाल और शान्त जीवन के सुर हैं । जीवन में बहुतसी बातें हैं जिनका कोई दरकार नहीं लेना संज्ञान । उचित है जल्द से जल्द कर देना उनको नज़रअंदाज़। जीवन को सरल-संतुष्ट,सफल बनाना यह भी तो है ज्ञान ।

> प्रदीप छाजेड़

भारत में उच्च शिक्षा...

डॉ. शैलेश शुक्ला

कृत्रिम मेधा के युग में उच्च शिक्षा में समयानुकूल परिवर्तन की आवश्यकता

कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब भविष्य की कोई दूर की तकनीक नहीं रह गई है। यह हमारे आसपास के जीवन, कामकाज, व्यापार, शोध, संचार और शिक्षा को तेजी से प्रभावित कर रही है। कुछ वर्ष पहले जिस काम को पूरा करने में घंटों लगते थे, आज वही काम कुछ मिनटों में किया जा सकता है। लिखने, अनुवाद करने, जानकारी व्यवस्थित करने, चित्र बनाने, कोड तैयार करने और अनेक प्रकार के विश्लेषण में कृत्रिम मेधा का उपयोग हो रहा है। ऐसे समय में यदि उच्च शिक्षा की व्यवस्था पुराने तरीके से ही चलती रहे तो यह युवाओं को उस दुनिया के लिए तैयार नहीं कर पाएगी, जिसमें उन्हें आगे काम करना है।

भारत में उच्च शिक्षा के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है, क्योंकि हमारे विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक है। इन विद्यार्थियों के सामने केवल डिग्री हासिल करने की चुनौती नहीं है, बल्कि ऐसी योग्यता हासिल करने की जरूरत भी है जिससे वे बदलती हुई दुनिया में अपने लिए जगह बना सकें। इसलिए अब यह सोचने का समय है कि हम विद्यार्थियों को क्या पढ़ा रहे हैं, कैसे पढ़ा रहे हैं और पढ़ाई के बाद वे उस ज्ञान का उपयोग किस तरह कर पाएंगे।

इसका अर्थ यह नहीं है कि हर विद्यार्थी को कृत्रिम मेधा का विशेषज्ञ बना दिया जाए। हर व्यक्ति का काम मशीन बनाना नहीं है। लेकिन आज के समय में यह समझना जरूरी है कि कृत्रिम मेधा क्या कर सकती है, उसकी सीमाएं क्या हैं, उससे मिलने वाली जानकारी को कैसे जांचना है और उसका जिम्मेदारी के साथ उपयोग कैसे करना है। विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों में यही समझ विकसित करनी होगी। कृत्रिम मेधा के आने से शिक्षा के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा हुआ है। यदि विद्यार्थी किसी विषय पर निबंध, उत्तर, प्रस्तुति या प्रारंभिक शोध सामग्री कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकता है, तो फिर शिक्षक उससे क्या करवाएगा? केवल लिखित असाइनमेंट देकर यह मान लेना कि विद्यार्थी ने स्वयं अध्ययन किया है, अब पर्याप्त नहीं होगा। शिक्षा व्यवस्था को अपने मूल्यांकन के तरीकों में बदलाव करना पड़ेगा।

विद्यार्थियों से ऐसे प्रश्न पूछने होंगे जिनके उत्तर केवल इंटरनेट या कृत्रिम मेधा से प्राप्त न किए जा सकें। उन्हें किसी समस्या का समाधान स्वयं समझाकर बताना होगा, अपने विचारों का कारण देना होगा, किसी स्थानीय समस्या का अध्ययन करना होगा, वास्तविक आंकड़ों का विश्लेषण करना होगा और अपने निष्कर्षों पर चर्चा करनी होगी। कक्षा में बातचीत, बहस, प्रस्तुति, परियोजना, प्रयोग और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित कार्य का महत्व बढ़ाना होगा। इससे यह पता चलेगा कि विद्यार्थी ने केवल उत्तर प्राप्त किया है या वास्तव में विषय को समझा भी है।

यह बदलाव केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं है। शिक्षकों की भूमिका भी बदलनी होगी। शिक्षक अब केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं रह सकता, क्योंकि जानकारी तक पहुंच पहले की तुलना में बहुत आसान हो गई है। शिक्षक की भूमिका विद्यार्थियों को सही जानकारी चुनने, गलत जानकारी पहचानने, सवाल पूछने, तर्क करने और ज्ञान का उचित उपयोग करने में मदद करने की होनी चाहिए। शिक्षक को यह भी सिखाना होगा कि कृत्रिम मेधा द्वारा तैयार सामग्री को आंख बंद करके सही नहीं माना जा सकता।

यह बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि कृत्रिम मेधा हमेशा सही उत्तर नहीं देती। वह कभी-कभी गलत जानकारी को भी बहुत आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए विद्यार्थी को यह आदत डालनी होगी कि किसी महत्वपूर्ण जानकारी को विश्वसनीय स्रोत से जांचे। यही वैज्ञानिक सोच और डिजिटल साक्षरता का हिस्सा है। यूनेस्को ने भी शिक्षा में जनरेटिव एआई के उपयोग के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, सुरक्षा, समान अवसर, डेटा गोपनीयता और नैतिक उपयोग पर जोर दिया है।

उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रमों को भी समय के साथ बदलना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि पुराने विषयों को हटा दिया जाए और हर जगह केवल एआई पढ़ाई जाए। इतिहास, साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और अन्य मानविकी विषयों का महत्व कम नहीं हुआ है। बल्कि कृत्रिम मेधा के दौर में इन विषयों की जरूरत कई मायनों में और बढ़ सकती है, क्योंकि मशीन जानकारी को व्यवस्थित कर सकती है, लेकिन समाज के नैतिक प्रश्नों, मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों पर अंतिम निर्णय मनुष्य को ही लेना होगा।

इस योजना ...

लाल कमल

किशोरी बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास को मिल रहा व्यापक प्रोत्साहन

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किशोरी बालिकाओं के समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के आकांक्षात्मक जनपदों में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को पोषण एवं गैर-पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य किशोरियों में पोषण की स्थिति में सुधार के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 8 आकांक्षात्मक जनपदों की 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके तहत पोषण घटक के माध्यम से किशोरियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाता है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आच्छादित परियोजनाओं में आटा बेसन बर्फी, प्रीमिक्स तथा दलिया एवं मूंग दाल खिचड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं अन्य परियोजनाओं में नैफेड के माध्यम से फोर्टिफाइड गेहूं दलिया, चना दाल, फोर्टिफाइड खाद्य तेल तथा फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस दौरान पोषण की कमी का सीधा प्रभाव किशोरियों के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना के गैर-पोषण घटक में आयरन एवं फोलिक एसिड (प्थ्।) की व्यवस्था की है। इसके साथ ही किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यकता के अनुसार संदर्भन सेवा तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान की जाती है।

योजना में किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता (डमदेजतनंस ्भलहपम-दम) को भी विशेष महत्व दिया गया है। उन्हें मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे इस प्राकृतिक प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की झिझक या भ्रांति के बजाय वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यपरक दृष्टिकोण अपना सकें। किशोरी बालिकाओं को केवल पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से योजना में कौशल प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे किशोरियों में रोजगारपरक कौशल विकसित हो सकें और वे आगे चलकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इसी दिशा में भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में छ ।टल्। च्तवरमबज के अंतर्गत प्रदेश के दो आकांक्षात्मक जनपदों फतेहपुर एवं सोनभद्र में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने हेतु पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया है। यह पहल किशोरियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में समग्र रूप से किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित यह पहल पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जागरूकता और कौशल विकास को एक साथ जोड़ती है।

जरा हटके

इस आयोजन को ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मेरठ में माटीकला रोजगार मेला: पारंपरिक शिल्प और कारीगरों के सशक्तिकरण का नया अध्याय

प्रदेश सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और पारंपरिक शिल्पों के पुनरोद्धार के संकल्प के क्रम में जनपद मेरठ में एक से सात नवंबर, 2026 तक भव्य 'माटीकला रोजगार मेले' का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह विशेष मेला स्थानीय कुम्हारों, शिल्पकारों और माटीकला उद्यमियों को अपने उत्पादों के व्यापक प्रदर्शन और प्रत्यक्ष विपणन के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

यह आयोजन ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों को नई ऊर्जा देने, स्थानीय कारीगरों की आय में निरंतर वृद्धि करने तथा 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को धरातल पर साकार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मेरठ की ऐतिहासिक और वाणिज्यिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए इस मेले को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के एक प्रेरक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी माटीकला कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमियों को जिला प्रशासन की ओर से निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नीतिगत निर्णय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कारीगरों पर किसी भी प्रकार का आर्थिक भार न पड़े और वे बिना किसी मध्यस्थ या अतिरिक्त व्यय के अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकें।

मेले में पारंपरिक उपयोग के बर्तनों, दीयों, कुल्हड़ों से लेकर आधुनिक टेराकोटा कलाकृतियों, डिजाइनर क्रॉकरी, मूर्तियों, पर्यावरण-अनुकूल टाइल्स और घरेलू सजावटी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। बिचौलियों की व्यवस्था समाप्त होने से कारीगरों को उनके श्रम और कला का शत-प्रतिशत पारिश्रमिक प्राप्त होगा।

इस आयोजन को केवल जनपद मेरठ की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित न रखकर अंतर-जनपदीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर विस्तारित किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के प्रतिष्ठित शिल्पकारों और माटीकला संघों को भी इस मेले में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है।

विभिन्न क्षेत्रों के हुनरमंदों के एक ही मंच पर एकत्र होने से शिल्प शैलियों, तकनीकी अनुभवों और विपणन रणनीतियों का स्वस्थ आदान-प्रदान संभव होगा। इससे मेरठ पूरे क्षेत्र के पारंपरिक माटी शिल्प के एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

प्रदेश सरकार द्वारा पारंपरिक शिल्प के वैज्ञानिक संरक्षण, तकनीकी संवर्धन और कारीगरों के सर्वांगीण उत्थान के उद्देश्य से विशेष संस्थागत नीतियां लागू की गई हैं। राज्य भर में इस क्षेत्र से जुड़े पारंपरिक परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीकी, वित्तीय, प्रशिक्षण और विपणन सहायता की चौतरफा व्यवस्था की गई है।

उत्पादन क्षमता में वृद्धि और शारीरिक श्रम को कम करने के लिए पारंपरिक हस्तचालित चाकों के स्थान पर अत्याधुनिक मोटर एवं विद्युत चालित चाकों का निःशुल्क वितरण अभियान स्तर पर किया गया है। इसके अतिरिक्त कारीगर समूहों को मिट्टी तैयार करने हेतु आधुनिक पगमिल, ब्लेंडर मशीनें तथा उन्नत गैस एवं विद्युत आधारित भट्टियां प्रदान की जा रही हैं।

इस तकनीकी आधुनिकीकरण के फलस्वरूप कारीगरों के बहुमूल्य समय और श्रम की बचत हो रही है, वहीं उत्पादों की फिनिशिंग, मजबूती और सौंदर्य में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। आधुनिक भट्ठियों के प्रयोग से पकाई के दौरान उत्पादों के चटकने या टूटने की दर में भारी कमी आई है, जिससे प्रति इकाई उत्पादन लागत नियंत्रित हुई है।

शिल्पकारों के समक्ष कच्चे माल की उपलब्धता सदैव एक बड़ी चुनौती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के तालाबों तथा उपयुक्त स्थलों से चिकनी मिट्टी निकालने के लिए निःशुल्क खनन पट्टे और अधिकार आवंटित किए गए हैं।

इस पारदर्शी व्यवस्था से कारीगरों को बिचौलियों के शोषण और अनुचित लागत से मुक्ति मिली है तथा स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण मिट्टी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। कच्चा माल सरलता से सुलभ होने से उत्पादन चक्र नियमित बना रहता है।

पारंपरिक कला को समकालीन बाजार की बदलती रुचियों के अनुकूल ढालने के लिए नियमित कौशल विकास एवं नवाचार कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से कारीगरों को पारंपरिक स्वरूप से इतर नए रूपांकनों, विविध रंगों के संयोजन और उपभोक्ता-अनुकूल डिजाइन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कारीगरों को स्वतंत्र सूक्ष्म उद्यमी के रूप में स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की प्रमुख रोजगार सृजन योजनाओं के माध्यम से सुगम वित्तीय सहायता और पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यशील पूंजी और उपकरण क्रय हेतु बैंकों के माध्यम से रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराकर ग्रामीण युवाओं को इस पारंपरिक उद्योग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

विपणन तंत्र को आधुनिक रूप देते हुए स्थानीय शिल्प को डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और प्रमुख ई-मार्केटप्लेस से जोड़ने की ठोस कार्ययोजना भी लागू की गई है। इसके माध्यम से मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में तैयार माटी उत्पाद देश के महानगरों सहित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक परिदृश्य में सिंगल-यूज प्लास्टिक और थर्माकोल के सुरक्षित विकल्प के रूप में मिट्टी के उत्पादों का महत्व अत्यंत बढ़ गया है। रेलवे स्टेशनों, ढाबों, होटलों और सार्वजनिक समारोहों में मिट्टी के कुल्हड़, कटोरी, थाली और गिलासों के उपयोग को नीतिगत स्तर पर प्राथमिकता दी जा रही है।

प्लास्टिक के विकल्पों की मांग बढ़ने से माटीकला कारीगरों को वर्ष भर नियमित रोजगार और आय की निरंतरता प्राप्त हो रही है। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत पारंपरिक शिल्पों को वैश्विक पहचान मिलने से इस विधा के प्रति युवा पीढ़ी का विश्वास और आकर्षण भी तेजी से बढ़ा है।

अंकित बालियान हत्याकांड पर सीएम योगी का सख्त रुख, मंत्री ने परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

'अपराधी कितना भी प्रभावशाली हो कानून के शिकंजे से नहीं बच सकता'

सांत्वना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/शामली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत शामली के अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस कार्रवाई तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी क्रम में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यम-शीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शामली के बंतीखेड़ा गांव पहुंचकर दिवंगत अंकित बालियान के परिजनों से

मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

मंत्री ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अंकित बालियान की हत्या की घटना बेहद कष्टदायी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और सरकार की स्पष्ट नीति है कि प्रदेश में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को संरक्षण नहीं मिलेगा। मंत्री ने बताया कि हत्याकांड में शामिल आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के दौरान आरोपियों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हुए। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल सभी आरोपियों और किसी भी संभावित साजिशकर्ता के खिलाफ कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'परिवार ने पुलिस कार्रवाई पर संतोष जताया'

मंत्री अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने अंकित बालियान के पिता से भी बातचीत की। परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया है और शार्प शूटरों की पहचान भी की है। उन्होंने कहा कि परिवार ने अपना बेटा खोया है। दीपावली, होली, रक्षाबंधन समेत हर त्योहार पर परिजनों को अंकित की कमी महसूस होगी। जिस मां की कोख सूनी हुई है, उसकी पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल बोले- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का तत्काल संज्ञान लेकर अधिकारियों को दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि करीब पांच दिन पूर्व हरियाणा से आए शार्प शूटर द्वारा अंकित बालियान की सरेआम हत्या की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश में अपराध करके कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं सकता। अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी में एंबुलेंस ड्राइवरों से पुलिस ने छीनी अर्थी

भाजपा दफ्तर के सामने स्वास्थ्य विभाग की शव यात्रा निकाली

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नौकरी बहाली की मांग को लेकर एंबुलेंस ड्राइवरों ने बुधवार दोपहर भाजपा कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन-कारियों ने स्वास्थ्य विभाग की अर्थी निकाली। अर्थी पर डिप्टी CM ब्रजेश पाठक की तस्वीर लगाई गई थी। उस पर 'इस्तीफा दो' लिखा था। प्रदर्शनकारी 2021 में नौकरी से निकाले गए कर्मचारी हैं। उनका कहना है कि नौकरी जाने के बाद से वे बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। कोरोना काल में जान जोखिम में डालकर सेवाएं देने के बावजूद उन्हें सेवा से हटा दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें इको गार्डन भेज दिया गया।

एंबुलेंस चालकों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। कई कर्मचारियों ने अपनी

जान भी गंवाई, लेकिन अब उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया है। 2021 में नौकरी गंवाने के बाद 5 साल से भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक और मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए।

विरोध प्रदर्शन करने वाले एंबुलेंस चालकों ने बताया कि प्रदेश में करीब 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी GVKEMRI कंपनी के तहत काम करते हैं। कंपनी कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है। मेंटेनेंस का पैसा भी कंपनी कर्मचारियों के वेतन से काट रही है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में खोला गया मुख्तार की भाभी की कोठी का ताला

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी की भाभी और सांसद अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी की जिस कोठी को गाजीपुर जिले की पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के तहत सील किया था, उसे कोर्ट के आदेश पर बुधवार को नगर निगम लखनऊ ने खोल दिया।

डालीबाग में यह कोठी प्लाट संख्या 21/14 बी (क्षेत्रफल 6700 वर्गफीट) है। नगर निगम की टीम सील को खोलने पहुंची।

लखनऊ में खुलेगा यूपी का पहला वन रेंजर प्रशिक्षण केंद्र

लखनऊ। प्रदेश सरकार राजधानी लखनऊ में प्रदेश का पहला वन रेंजर प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने की तैयारी कर रही है। अभी वन रेंजरों को प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों में भेजना पड़ता है। इस केंद्र के बनने के बाद प्रदेश सरकार को अपने कर्मियों को दूसरे राज्य नहीं भेजना पड़ेगा। अन्य राज्यों के भी कर्मियों को यहां प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

देश में वन रेंज अधिकारियों का प्रशिक्षण केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की वन अकादमियों तथा वन प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से होता है।

अवैध वसूली में कानपुर के दो एआरटीओ निलंबित

लखनऊ। कानपुर नगर के संभागीय परिवहन कार्यालय में अनियमितता और अवैध वसूली के मामले में शासन ने बड़ी कार्रवाई की है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के निर्देश पर कानपुर नगर के दो एआरटीओ सोमलता यादव और आलोक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

हज-2027 के चयनित यात्रियों की दो चरणों में होगी मेडिकल स्क्रीनिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

- 15 सितम्बर तक मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेख वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा सर्कुलर-10 दिनांक 01 सितम्बर, 2026 के माध्यम से हज-2027 के चयनित हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत चयनित हज यात्रियों के लिए दो चरणों में मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस कराना अनिवार्य किया गया है। प्रथम चरण चयन के उपरान्त तथा द्वितीय चरण हज यात्रा की उड़ान से पूर्व कराया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सचिव/कार्यपालक अधिकारी मोहम्मद तारिक ने बताया कि प्रथम चरण में चयनित हज यात्रियों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप पर सरकारी चिकित्सा केन्द्र में जांच कराकर एलोपैथिक पद्धति के चिकित्सक से मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। इस संबंध में प्रदेश के समस्त मुख्य चिकित्साधिकारियों को शासन स्तर से आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चयनित हज यात्रियों को मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण पत्र, अग्रिम जमा धनराशि की रसीद तथा अन्य आवश्यक अभिलेख हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट haj-committee.gov.in पर 15 सितम्बर, 2026 तक अपलोड करना अनिवार्य होगा। हज यात्रियों को सलाह दी गई है कि प्रथम चरण की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण पत्र वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद प्रमाण पत्र एवं जांच रिपोर्ट अपने पास सुरक्षित रखें, ताकि द्वितीय चरण की मेडिकल जांच के समय इन्हें प्रस्तुत किया जा सके।

निर्यातोन्मुखी उद्यमों को जर्मनी और यूरोपीय बाजार में प्रवेश के लिए तैयार करना लक्ष्य

यूपी के एमएसएमई को मिलेगा वैश्विक बाजार

- योगी सरकार की पहल, इंडो-जर्मन गेटवे कार्यक्रम का शुभारंभ
- यूपी सरकार और जर्मन इंडियन बिजनेस अलायंस के बीच एमओयू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में बुधवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय, पिकअप भवन, लखनऊ में इंडो-जर्मन गेटवे कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर

उत्तर प्रदेश के एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग तथा जर्मन इंडियन बिजनेस अलायंस (GIBA) के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के निर्यातोन्मुखी उद्यमों को जर्मनी और यूरोपीय बाजार में प्रवेश के लिए तैयार करना है। यह सहयोग गैर-वित्तीय, गैर-बाध्यकारी और गैर-अनन्य स्वरूप का है।

प्रमुख सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन शशि भूषण लाल ने कहा कि वर्ष 2026 भारत-जर्मनी संबंधों के लिए ऐतिहासिक वर्ष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष और रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी यूरोपीय संघ में भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है और भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विनिर्माण इकाइयों और निर्यात के लिए तैयार एमएसएमई का मजबूत आधार है, जिनमें यूरोपीय बाजार में विस्तार की बड़ी क्षमता है।

कार्यक्रम में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद, विशेष सचिव एमएसएमई शिशिर, उद्योग आयुक्त के.वी. पंडियन, सहायक महाप्रबंधक रितेश सक्सेना, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन के एमडी हिमांशु कौशिक, इनोवेशन हब राइन-मेन के सीईओ स्टीफन विट्टेकिंड और GIBA के चेयरमैन सेल्वकुमार पेरियासामी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'इस साझेदारी को कागजी कार्रवाई से मुक्त और व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए'

जर्मनी के राउनहाइम शहर के मेयर डेविड रेंडेल ने कहा कि इस साझेदारी को कागजी कार्रवाई से मुक्त और व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए। इसकी सफलता कार्यक्रमों की संख्या से नहीं, बल्कि नए व्यावसायिक समझौतों, भारतीय कंपनियों द्वारा जर्मनी में उपस्थिति और जर्मन कंपनियों द्वारा उत्तर प्रदेश में परियोजनाएं शुरू करने जैसे ठोस परिणामों से मापी जानी चाहिए। उन्होंने इनोवेशन हब राइन-मेन को जर्मनी में संस्थागत आधार और GIBA को भारतीय पक्ष में समन्वयक के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को गति देने के लिए एसटीसी ने लेदर इंडस्ट्री के उद्यमियों के साथ किया मंथन

लेदर उद्योग की चुनौतियों, निर्यात संवर्धन और नीतिगत सुधारों पर हुई विस्तृत चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देने के उद्देश्य से स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी), उत्तर प्रदेश द्वारा बुधवार को योजना भवन स्थित सभागार में ओडीओपी लेदर इंडस्ट्री से जुड़े उद्यमियों एवं हितधारकों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री मनोज कुमार सिंह ने की। हितधारकों ने कच्चे माल एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता, कुशल एवं पर्याप्त श्रमबल, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय सहायता, कौशल विकास, मार्केटिंग तथा विभिन्न प्रशासनिक और नीतिगत विषयों से जुड़ी चुनौतियों एवं सुझावों

को साझा किया। प्रदेश का लेदर उद्योग लगभग 20,000 करोड़ रूपये का माना जाता है और भारत के कुल लेदर निर्यात में इसका लगभग 46 प्रतिशत योगदान है। मनोज कुमार सिंह ने कहा कि परामर्श बैठक के दौरान प्राप्त सुझावों और उठाए गए मुद्दों का संबंधित विभागों के समन्वय से परीक्षण किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लेदर उद्योग को सुदृढ़ करने, निर्यात को बढ़ावा देने और टिकाऊ औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार एवं उद्योग जगत के बीच निरंतर संवाद और समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग के बीच निरंतर संवाद एवं सहयोग से उत्तर प्रदेश के औद्योगिक एवं निर्यात विकास को नई गति प्रदान की जा सकेगी। साथ ही कानपुर, उन्नाव, हमीरपुर, फर्रुखाबाद, आगरा और नोएडा से लगभग 25 चमड़ा निर्माताओं, निर्यातकों एवं अन्य हितधारकों ने प्रतिभाग किया। बैठक में एसटीसी के सस्टेनेबल डेवलपमेंट सेल के प्रोग्राम डायरेक्टर श्री अखिलेश गौतम सहित श्री मयंक तिवारी, सुश्री श्वेता रावत और श्री अभिनव आनंद भी उपस्थित रहे।

प्रतिनिधियों ने किया प्रतिभाग

बैठक में एसटीसी के एसीईओ श्री अक्षत वर्मा (आईएएस), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री संजीव कुमार तथा श्रम एवं रोजगार विभाग और वन विभाग के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

> बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के लेदर उद्योग के समक्ष आ रही चुनौतियों को समझना तथा उनके समाधान के लिए उद्योग जगत से सुझाव प्राप्त करना रहा। बैठक में निर्यात प्रोत्साहन, उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने तथा प्रदेश की 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में लेदर सेक्टर के योगदान को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

अनिल शर्मा के निधन पर सतीश महाना ने जताया शोक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने बुलंद-शहर जिले के शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री श्री अनिल शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री अनिल शर्मा का बुधवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि अनिल शर्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि श्री अनिल शर्मा ने सार्वजनिक जीवन में रहते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया तथा अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के हितों और विकास के लिए निरंतर कार्य किया।

श्री सतीश महाना ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में अनिल शर्मा का योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा। उनके निधन से प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके असामयिक निधन से परिवारजनों, समर्थकों, सहयोगियों और क्षेत्र की जनता को गहरा आघात पहुंचा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि दुःख की इस कठिन घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। अनिल शर्मा की जनसेवा, सरल व्यवहार और क्षेत्र की जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा।

चर्चा : भारत-जर्मनी सहयोग से उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप्स को मिलेंगे वैश्विक बाजार के नए अवसर : सुनील कुमार

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री से जर्मन प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा से आज योजना भवन में जर्मनी के प्रतिनिधि-मंडल ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश के एमएसएमई और स्टार्टअप्स को जर्मनी तथा यूरोप के बाजारों से जोड़ने, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टार्टअप्स तथा नई तकनीकों के क्षेत्र

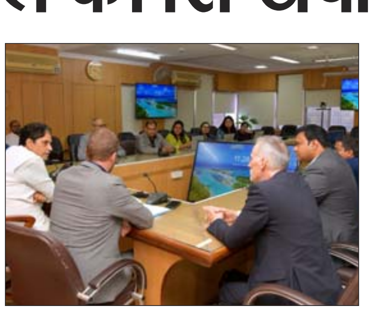

में प्रदेश में निरंतर नए अवसर विकसित हो रहे हैं। ऐसे समय में जर्मनी के साथ सहयोग उत्तर प्रदेश के उद्यमियों और स्टार्टअप्स को वैश्विक बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि जर्मन इंडियन बिजनेस एलायंस दोनों देशों के बीच व्यापारिक एवं उद्यमिता संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भागीदार है। इसके माध्यम से भारतीय एमएसएमई और स्टार्टअप्स को जर्मनी तथा यूरोपीय बाजारों में अपने कारोबार को स्थापित और विस्तारित करने में सहयोग मिलेगा। इससे भारत से निर्यात को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार के नए अवसरों का सृजन भी होगा।

> मंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप्स को जर्मनी और यूरोप के बाजारों में प्रवेश के अवसर मिलने से उनके कारोबार के विस्तार को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। वहीं, जर्मनी की कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश के नए अवसर विकसित होंगे। इससे प्रदेश में तकनीकी हस्तांतरण, निवेश और नए कारोबारी संबंधों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं और मजबूत होंगी।

सुनील कुमार शर्मा ने जर्मन प्रतिनिधिमंडल को उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति की पुस्तिका भी भेंट की

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने जर्मन प्रतिनि-धिमंडल को उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति की पुस्तिका भी भेंट की। यह पुस्तिका प्रदेश में स्टार्टअप्स को उपलब्ध नीतिगत सुविधाओं और प्रोत्साहन से संबंधित जानकारी प्रदान करती है।

जर्मन प्रतिनिधिमंडल में राउनहाइम, हेस्से के मेयर श्री डेविड रेंडल, इनोवेशन हब राइनमेन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री स्टीफन विटेकिंड, जर्मन इंडियन बिजनेस एलायंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक श्री निर्मल रमन कन्नैयन तथा जीआईबीए के चेयरमैन श्री सेल्वाकुमार पेरियासामी शामिल रहे।

पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम, कोणार्क की मूर्तिकला एवं स्थापत्य पर व्याख्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की पहल पर आमजन मानस को कोणार्क की मूर्तिकला एवं स्थापत्य के बारे में शोधपरक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आज पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के 11वें दिन डॉ. राजीव द्विवेदी, निदेशक, वृंदावन शोध संस्थान, मथुरा ने 'कोणार्क की मूर्तिकला' एवं 'कोणार्क एक अधूरा स्थापत्य' विषय पर दो ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए।

यह जानकारी पुरातत्व निदेशक श्रीमती रेनू द्विवेदी ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. द्विवेदी ने उड़ीसा की कलिंग स्थापत्य परंपरा की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि उड़ीसा की मूर्तिकला भारतीय कला परंपरा में अनुपम स्थान रखती है। उन्होंने मंदिर को मानव शरीर के रूपक के रूप में समझाते हुए उसके बाड़ा, गंडी और मस्तक आदि स्थापत्य

> कोणार्क की मूर्तिकला को उन्होंने पाँच प्रमुख वर्गों देवी-देवता, आकाशीय मंडल एवं खगोलीय विषय, पशु-पक्षी एवं जलीय जीव, पौराणिक तथा धर्मनिरपेक्ष/लौकिक जीवन में विभाजित कर समझाया। उन्होंने कहा कि इन मूर्तियों में तत्कालीन धार्मिक विश्वासों के साथ-साथ सामाजिक जीवन, नृत्य-संगीत, उत्सव, शिकार एवं दैनिक गतिविधियों का सजीव अंकन मिलता है।

अंगों की व्याख्या की। उन्होंने बताया कि कोणार्क के स्थापत्य की चर्चा करते हुए उन्होंने विमान/देउल, जगमोहन, नटमंदिर एवं भोगमंडप की संरचना तथा रथाकार मंदिर की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण में क्लोराइट, लेटराइट और खोंडालाइट जैसे पत्थरों का प्रयोग हुआ। उनके अनुसार ये पत्थर कोणार्क के आसपास उपलब्ध नहीं थे और निर्माण सामग्री को चन्द्रभागा नदी के जलमार्ग से लाए जाने की परंपरा रही होगी, जो तत्कालीन निर्माण तकनीक एवं परिवहन क्षमता को दर्शाती है।

कानपुर में घर में घुसकर वारदात, बेटा स्वास्थ्य मंत्रालय में, परिवार बोला- 22 लाख के गहने लूटे

हत्याकर शव कुर्सी पर रख भागे बदमाश

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में 58 साल की महिला की घर में घुसकर बदमाशों ने हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम 5 बजे महिला घर में टीवी देख रही थी, तभी बदमाश घुस गए और लूटपाट करने लगे। महिला ने विरोध किया तो गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव को कुर्सी पर इस तरह बैठा दिया कि पहली नजर में किसी को शक न हो कि महिला मर चुकी है।

3 घंटे बाद किराएदार पानी के लिए मोटर चलाने नीचे आई तो उसने महिला को कुर्सी पर देखा। आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर अपने पति को फोन करके बुलाया। उसने देखा तो महिला के गले पर काला-नीला निशान था। घर का सामान बिखरा हुआ था। घटना रावतपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर सेक्टर-जे में हुई।

परिवार का दावा है कि 22 लाख रुपए के गहने और अन्य सामान गायब हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच की। महिला उमा कुशवाहा का छोटा बेटा आशीष दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय में सीनियर टेक्नीशियन है। वहीं, बड़ा बेटा अमरीष मासवानपुर में अलग मकान में परिवार के साथ रहता है। पति शिवमंगल कुशवाहा बुक स्टॉल चलाते हैं। उमा की बहन रेखा ने बताया- मैं 15 किमी. दूर नौबस्ता में रहती हूं। मुझे घटना की जानकारी रात करीब 8 बजे हुई। पहले मुझे लगा कि उमा को अटैक पड़ा है। मौके पर पहुंचकर देखा तो अलमारी और लॉकर टूटे हुए थे। घर का सामान गायब था। उमा के गले और मुंह पर चोट के निशान थे। उनके पैर जमीन की ओर लटके थे। पास में खाना रखा था, टीवी चल रहा था। मोबाइल साइलेंट पर था। गला पूरी तरह काला पड़ा था, जिससे आशंका है कि उनका गला दबाया गया।

उमा, मृतक

> थाना प्रभारी रावतपुर कमलेश राय ने बताया-घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

परिवार से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

शिवमंगल कुशवाहा हसनपुर सेक्टर-जे में पत्नी उमा के साथ दो मंजिला मकान में रहते हैं। मकान की ऊपरी मंजिल पर दो परिवार किराए पर रहते हैं। शिवमंगल ने पुलिस को बताया- किराएदार ने उमा का शव कुर्सी पर देखा। फिर उसके पति ने मुझे फोन करके बताया कि पत्नी की हत्या कर दी गई है। हम आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। पड़ोसी के डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने जांच के बाद उमा को मृत घोषित कर दिया। रात 10 बजे घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थोड़ी देर में पुलिस पहुंची। परिवार से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए और परिवार से घटना के बारे में जानकारी ली।

नगर निगम टेंडर घोटाले के आरोपी ठेकेदार का क्वार्टर सील

कानपुर में यहीं से चलाता था टेंडर सिंडीकेट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर नगर निगम के टेंडर घोटाले में एफआईआर दर्ज होने के बाद फरार चल रहे ठेकेदार गोविंद शर्मा के खिलाफ केडीए ने भी कार्रवाई की है। फजलगंज स्थित केएनटी बिल्डिंग में उसके नाम आवंटित क्वार्टर नंबर-4 पर केडीए की टीम ने कब्जा लेकर उसे सील कर दिया। पुलिस की मौजूदगी में हुई कार्रवाई के दौरान क्वार्टर के गेट पर नोटिस भी चस्पा किया गया। इसी बिल्डिंग के क्वार्टर नंबर-8 में रहने वाले मोहन शर्मा के यहां भी सीलिंग की कार्रवाई की गई।

केडीए के विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला ने बताया कि क्वार्टर नंबर-4 दो कमरों का है। इसे गोविंद शर्मा को मासिक किराएदारी पर आवंटित किया गया था। कुछ महीने पहले केडीए ने उसकी किराएदारी निरस्त कर दी थी। किराएदारी निरस्त होने के खिलाफ गोविंद ने सिविल कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद क्वार्टर खाली कराने का रास्ता साफ हो गया। अब केडीए की टीम ने बंद पड़े क्वार्टर पर कब्जा लेकर उसे सील कर दिया। नगर निगम के टेंडरों में मिलीभगत और वसूली के आरोपों के बीच गोविंद शर्मा का यह क्वार्टर पहले से चर्चा में रहा है। आरोप है कि वह इसी क्वार्टर से नगर निगम की ठेकेदारी का सिंडीकेट चलाता था। यहां सत्ताधारी पार्टी के नेताओं का भी आना-जाना लगा रहता था। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान क्वार्टर के बाहर भाजपा के एक कार्यक्रम का पोस्टर भी लगा मिला।

फास्ट न्यूज

महिलाओं ने डेढ़ लाख की सोने की चेन चुराई

कानपुर। कानपुर के बुधवार दोपहर 12 बजे दो महिलाओं ने ज्वेलर्स की दुकान से करीब डेढ़ लाख रुपये की सोने की चेन चोरी कर ली। दोनों महिलाएं बेटी की शादी के लिए जेवर खरीदने का बहाना बनाकर दुकान पर पहुंची थीं। महिलाओं ने दुकानदार को अलग-अलग आभूषण दिखाने में उलझाए रखा। इसी दौरान उन्होंने करीब 10 ग्राम वजन की सोने की चेन हाथ में छिपा ली और मौका मिलते ही दुकान से निकल गईं।

कानपुर में सड़क पर 2 सांड भिड़े

कानपुर। कानपुर के जाजमऊ की जेके कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क पर लड़ रहे दो सांड एक घर में घुस गए। सांडों के अचानक घर में घुसने से परिवार के लोग डर गए। इसी दौरान खुद को बचाने के लिए भाग रहे एक युवक को सांड ने सींगों से उठाकर पटक दिया।

युवक के शरीर में कई जगह चोटें आईं। आसपास के लोगों ने घायल को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटना का वीडियो बुधवार दोपहर 3 बजे सामने आया। जेके कॉलोनी निवासी सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि वह फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। मंगलवार रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे।

कानपुर में बीएसएफ भर्ती परीक्षा रद्द

कानपुर। कानपुर में एक सेंटर पर BSF भर्ती की परीक्षा रद्द कर दी गई। परीक्षा के दौरान ही किसी तकनीकी दिक्कत के चलते कंप्यूटर बंद हो गए। खराबी आने के बाद अभ्यर्थी गुस्से में सेंटर के बाहर हंगामा करने लगे।

मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासन के लोगों ने अभ्यर्थियों को शांत कराया। उच्चाधिकारियों से बात कर सेंटर की परीक्षा रद्द किए जाने की घोषणा की।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर । गाजीपुर में लोगों को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के लिए बुधवार सुबह 10 बजे जनपद न्यायालय से एक रैली निकाली गई। जिला जज और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जय प्रकाश यादव ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली के जरिए लोगों को लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामले निपटाने और कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। जिला जज ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को आयोजित होगी। यह जनपद न्यायालय गाजीपुर के अलावा सैदपुर, मुहम्मदाबाद, जखनियां और जमानियां के न्यायालयों में भी लगेगी। साथ ही, अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में भी इसका आयोजन किया जाएगा। इसका मकसद आपसी सुलह-समझौते से ज्यादा से ज्यादा मामलों को निपटाकर लोगों को जल्द राहत देना है।

छोटे आपराधिक से लेकर चेक बाउंस तक के मामले सुलह से निपटेंगे

कौशांबी में ब्लास्ट के बाद सदमे में लोग, बच्ची जिंदा बची पर बोल नहीं पा रही

बेटे का पैर मिला, अब मलबे में शरीर की तलाश

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी । मेरा बेटा सुबह 8 बजे कहकर आया था कि काम पर जा रहे हैं। यहां बूंदी बनाने का काम करता था। ये जो बाइक पड़ी है, मेरे बेटे की है। धमाके से इतनी दूर उड़कर आई है। हम कल से प्रयागराज-कौशांबी में बेटे को ढूंढ रहे हैं। मॉर्च्युरी में बेटे का एक पैर मिला है। उसकी भी प्रशासन पुष्टि नहीं कर रहा।

ये दर्द है कौशांबी में असलहा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद लापता दिव्यांग सुनील के पिता का। ये हाल सिर्फ सुनील के पिता का नहीं है, अपनों की तलाश में दर्जनों लोग भटक रहे हैं। 31 अगस्त की सुबह से लोग रोज की तरह अपने-अपने घरों से काम पर निकले थे। जो घरों में थे वो काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे।

धमाका हुआ तो काफी देर तक लोगों को समझ नहीं आया कि हुआ क्या है। जब समझ आया तो बाहर भागे। मलबा हटा-हटाकर अपनों को तलाश रहे थे। कोई बचाव टीम के सामने हाथ जोड़कर गिड़गिड़ा रहा था तो कोई बदहवास इधर-उधर भाग रहा था। एक-एक करके झुलसे हुए लोगों को चारपाई पर रखकर लोग हॉस्पिटल की तरफ भाग रहे थे। सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इस हादसे में फैक्ट्री के आसपास के घरों में रहने वाले 8 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। रेलवे कर्मी का पूरा परिवार खत्म हो गया है। घर सिर्फ एक बेटी जिंदा बची। एक परिवार में मां घायल है, जबकि 4 बच्चों की मौत हो गई है।

बेटे की तलाश में दो जिलों में भटक रहा पिता

ब्लास्ट के बाद चारो तरफ फैले मलबे को हटाकर सरजू दास अपने बेटे सुनील को ढूंढ रहे हैं। उनसे बात की तो बोले कि कल से कभी प्रयागराज जाते हैं कभी कौशांबी आते हैं। बेटा तो रोज की तरह सुबह काम पर निकला था। मरने वालों और घायलों में उसका नाम नहीं है। मोर्चरी में हमें बेटे का पैर मिला है। मेरी बड़ी बेटी ने सुनील को पाला है। उसने पहचान लिया अपने भाई का पैर। अब मलबा हटाकर बेटे को ढूंढ रहे हैं। बुलडोजर से भी मलबा हटाया जा रहा है, हो सकता है बेटा मिल जाए। सुनील की पत्नी रेखा और 5 बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आज भी फैक्ट्री का मलबा बुलडोजर से हटाया जा रहा है। पुलिस देख रही है कि कोई मलबे में दबा तो नहीं है।

> हादसे में गया प्रसाद के 4 बच्चे जाह्नवी, आदित्य, अमित और रवि की भी मौत हुई है। गया प्रसाद की पत्नी अनीता (42) घायल हैं। उन्होंने मामले में फैक्ट्री मालिक के खिलाफ एफआईआर लिखाई है। कहा- हादसे में मेरा पूरा कुनबा समाप्त हो गया।

आगरा में 700+ लॉ सीटों पर प्रवेश रुका

बीसीआई की मंजूरी अटकी, सरकारी संस्थानों के छात्र परेशान, निजी कॉलेजों को मिल चुकी अनुमति

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। सत्र 2026-27 में विधि की पढ़ाई करने की तैयारी कर रहे आगरा के छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। आगरा कॉलेज और डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में एलएलबी और बीए-एलएलबी की 700 से अधिक सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया अटक गई है। दोनों संस्थानों को अब तक बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) से मंजूरी नहीं मिली है। वहीं, आगरा मंडल के 20 निजी लॉ कॉलेजों को बीसीआई की अनुमति मिल चुकी है। सरकारी संस्थानों में कम फीस में पढ़ाई का विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद मंजूरी में देरी से छात्रों के सामने निजी कॉलेजों में प्रवेश लेने की मजबूरी बन रही है।

आगरा मंडल में आगरा के 7, मथुरा के 8, मैनपुरी के 3 और फिरोजाबाद के 2 निजी लॉ कॉलेजों को बीसीआई से मंजूरी मिल चुकी है। इन कॉलेजों में एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने में करीब 2 लाख रुपए तक खर्च आता है। वहीं, बीए-एलएलबी की फीस और अन्य खर्च मिलाकर 3 से 4 लाख रुपए तक पहुंच सकते हैं। सरकारी संस्थानों में कम फीस और बेहतर विकल्प होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र आगरा कॉलेज और विश्वविद्यालय में प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं।

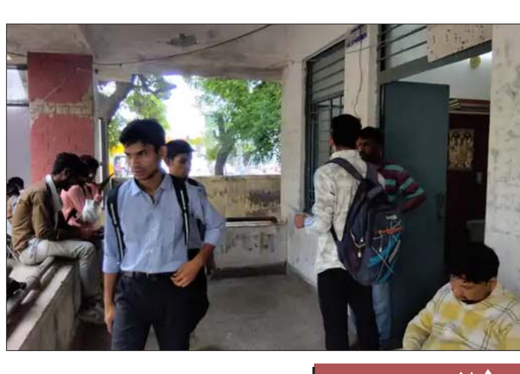

आगरा कॉलेज में 600 सीटें, फीस भी काफी कम

आगरा कॉलेज का विधि संकाय यूनिवर्सिटी कैंपस से अलग संचालित होता है। यहां एलएलबी की 300 और बीए-एलएलबी की 300 सीटें हैं। यानी कुल 600 सीटों पर नए सत्र में प्रवेश होना है। आगरा कॉलेज में पढ़ाई की फीस निजी संस्थानों की तुलना में काफी कम है। एलएलबी की सालाना फीस करीब 4,300 रुपए है। तीन साल की पूरी पढ़ाई करीब 12 से 13 हजार रुपए में पूरी हो जाती है। वहीं, बीए-एलएलबी की फीस करीब 16,500 रुपए सालाना है। विधि संकाय प्रभारी डीसी मिश्रा ने बताया कि बीसीआई की मंजूरी के लिए जुलाई में आवेदन किया गया था। अभी तक अनुमोदन नहीं मिला है। बिना बीसीआई की अनुमति के नए सत्र में प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती।

> डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय कैंपस में लॉ कॉलेज की नई बिल्डिंग भी बनकर तैयार है। विश्वविद्यालय इसी सत्र से एलएलबी और बीए-एलएलबी में 120 सीटों पर प्रवेश शुरू करना चाहता है। प्रभारी डॉ. राजीव वर्मा ने बताया कि कॉलेज की ओर से तैयारियां पूरी हैं, लेकिन प्रवेश शुरू करने के लिए बीसीआई की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाले इंस्पेक्टर क्राइम लाइन हाजिर

डीसीपी वेस्ट ने की कार्रवाई, मामले की जांच जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । एत्मादपुर में यूजीसी विरोधी प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज करने वाले इंस्पेक्टर पर बड़ी कार्रवाई हुई है। डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार ने इंस्पेक्टर क्राइम जेपी तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

मामला मंगलवार का है। एत्मादपुर तहसील में सवर्ण समाज और करणी सेना ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया था। आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवकों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर लाठियों से पीटा। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में इंस्पेक्टर हाथ में लाठी लेकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते और पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही सवर्ण समाज में भारी रोष फैल गया। संगठन ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया और आरोपी इंस्पेक्टर को हटाने की मांग तेज कर दी। मामले ने तूल पकड़ा तो डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार ने संज्ञान लिया। उन्होंने प्रथम दृष्टया जांच में इंस्पेक्टर के आचरण को अनुचित पाया। इसी आधार पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर क्राइम जेपी तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया। डीसीपी ने बताया कि पूरे मामले की विभागीय जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

राम मंदिर को मिला...

मिश्रा, गत वर्ष ऑपरेशन सिंदूर, साल 1999 में कारगिल युद्ध में अहम भूमिका निभा चुके हैं.

मिश्रा, उत्तर प्रदेश स्थित देवरिया जिले के निवासी हैं. NDA खड़कवासला के छात्र रहे चुके पूर्व एयर मार्शल के पास 3 हजार घंटों से ज्यादा उड़ान का अनुभव है. मिश्रा सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित हैं.

राम मंदिर के CEO की सबसे बड़ी जिम्मेदारी मंदिर का प्रशासनिक, वित्तीय और कानूनी प्रबंधन का जिम्मा संभालना होगा. इसके अलावा वह राम मंदिर के

बता दें सीईओ पद के लिए ट्रस्ट द्वारा तीन सदस्यों की कमेटी बनाई गई थी. कमेटी में रिटायर्ड जस्टिस प्रमोद कोहली, विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हावड़े शामिल थे.

इस वर्ष जून-जुलाई के दौरान राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था. इस मामले में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया और ट्रस्ट से अनिल मिश्रा और चंपत राय की विदाई हो गई. इस चोरी का मामला सामने आने के बाद ही ट्रस्ट की व्यवस्थाओं में व्यापक बदलाव की मांग की जा रही थी.

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने सबसे पहले कहा था कि सीईओ नियुक्त किया जाए. हालांकि कुछ मौकों पर ट्रस्ट के भीतर से सीईओ के पद के सृजन का विरोध भी हुआ और कहा गया कि संचालन संतों के हाथ में हो.

उत्तराखंड में भारी...

जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

झारखंड के पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों में अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) की चेतावनी के बीच बुधवार को सभी स्कूल बंद रहे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बुधवार के लिए झारखंड के 10 जिलों—गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा—में अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

दिल्ली में बुधवार को बारिश हुई, जिससे उमस भरे मौसम से लोगों को राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अगले कुछ घंटों के दौरान दिल्ली के कई हिस्सों में और बारिश तथा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है।

वसंत कुंज, मालवीय नगर, पालम, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, ग्रेटर कैलाश, लक्ष्मी नगर और द्वारका समेत कई इलाकों में बारिश हुई।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन के लोको शेड का एक हिस्सा बुधवार को लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ढह गया, जिससे वहां काम कर रहे आठ कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आउटसोर्स कर्मियों ...

सीएम ने कहा कि जब कर्मचारियों से मानदेय पूछते थे तो कोई 8 हजार, कोई 11 हजार बताता था। जो 9 हजार बताते थे, उन्हें भी 6 हजार ही मिलता था। हमारा मानना है कि सामाजिक भेदभाव दूर करने के लिए आर्थिक भेदभाव भी दूर किया जाना चाहिए। व्यक्ति को मेहनत का उचित मानदेय मिलना ही श्रम का सम्मान है। उसे सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, बल्कि घटना-दुर्घटना पर बीमा कवर भी मिलना चाहिए। हमारी सरकार ने संवेदनशीलता को सुशासन की पहली शर्त मानते हुए आउटसोर्स सेवा निगम का गठन किया। इसके माध्यम से हर कार्मिक को संस्थागत सुरक्षित भविष्य प्राप्त होगा। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद अधिकार किसी व्यक्ति की कृपा पर नहीं, बल्कि मेहनत से प्राप्त होगा। व्यवस्था में बिचौलियों की जगह नहीं होगी। पोर्टल पर सारी जानकारी उपलब्ध होगी। अब कर्मचारी अकेला नहीं है, निगम उसके साथ होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसी को समय पर अधिकार मिलता है तो उसका लाभ केवल एक व्यक्ति को नहीं मिलता। बच्चे की पढ़ाई, मां की दवाई, बेटी का भविष्य सुनिश्चित होता है। परिवार को भरोसा मिलता है कि मेहनत बेकार न जाएगी। सरकार निगम के माध्यम से 20 लाख लोगों को सुरक्षा कवर प्रदान करना चाहती है। अब सरकारी विभाग, आउटसोर्स एजेंसी व कर्मचारी आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक आधारित व्यवस्था से जुड़ जाएंगे। मैनपावर की आवश्यकता का आकलन, रिक्तियों का पूर्वानुमान व मानव संसाधन की योजना बनाई जा सकेगी।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुरूप योग्यता व मेरिट के आधार पर भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन व पारदर्शी होगी। भर्ती, पोस्टिंग, उपस्थिति, मानदेय, ग्रेच्युटी, बीमा व सेवा लाभ की डिजिटल मॉनिटरिंग भी होगी। कर्मचारी अब सेवा विवरण, अकाउंट, उपस्थिति, भुगतान व कटौती आदि एक ही जगह देख सकेगा। यहीं शिकायत दर्ज कराकर समय से निराकरण भी पा सकेगा।

वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र...

परिजनों के अनुसार भूपेंद्र वीर सिंह का स्वास्थ्य लंबे समय से ठीक नहीं था। उपचार के दौरान 29 अगस्त को उनका निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी मिलने के बाद पत्रकारिता से जुड़े लोगों ने शोक जताया।

बुधवार को प्रभारी मंत्री का उनके आवास पर पहुंचना इसी क्रम में प्रस्तावित है। मंत्री परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर दिवंगत पत्रकार के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त करेंगे।

भूपेंद्र वीर सिंह के भाई बृजेंद्र वीर सिंह प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष हैं। पत्रकारिता क्षेत्र में परिवार की सक्रिय भागीदारी रही है। मंत्री के आगमन को लेकर उनके उसरहवा स्थित आवास पर कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित समय के अनुसार वह दोपहर 2:15 बजे वहां पहुंचेंगे।

जीडीपी की आलोचना...

उन्हें एक जैसे आंकड़ों की तुलना करना भी नहीं आता। दरअसल, सोमवार को सरकार ने अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े जारी किए थे, जो 7.8% रही। RBI का अनुमान 7% था। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 6.9% थी।

इसके बाद पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने न्यूज एजेंसी PTI से मंगलवार को कहा था कि, "क्या ये GDP के आंकड़े सही हैं? अगर आंकड़े सही नहीं हैं तो पूरी अर्थव्यवस्था पर भी सवाल उठता है।" GDP यानी देश के भीतर एक तय समय में कितनी वैल्यू का सामान बना और कितनी सर्विसेज दी गईं। इसे देश की आर्थिक सेहत का 'रिपोर्ट कार्ड' भी कह सकते हैं। इसमें भारतीय कंपनियां ही नहीं, बल्कि देश में काम करने वाली विदेशी कंपनियों का प्रोडक्शन भी जोड़ा जाता है।

सीता का चरित्र राम से ...

इनमें शक्ति, गृह लक्ष्मी, गृह ज्योति, अन्न भाग्य और युवा निधि शामिल हैं।

सोनिया गांधी और महाभारत का उदाहरणः शिवकुमार ने भारतीय संस्कृति में महिलाओं को परिवार की "आंखें" बताया। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने अपनी सास और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तथा अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मौत जैसे झटकों का सामना किया। इसके बाद भी उन्होंने आगे बढ़कर पार्टी का नेतृत्व किया। शिवकुमार ने महाभारत की द्रौपदी और कुंती का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाओं में बहुत प्रतिभा और क्षमता है। उन्होंने महिलाओं से नेतृत्व की भूमिका संभालने की अपील की।

कर्नाटक सरकार में सीएम और डिप्टी सीएम सहित कुल 33 मंत्री हैं। लेकिन इसमें एक भी महिला मंत्री शामिल नहीं है। 3 अगस्त 2026 को डीके शिवकुमार ने 20 नए मंत्री शामिल किए थे।

स्टार्क ने पिछले हफ्ते नंबर-1 पोजीशन छीनी थी

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर फिसले

नुकसान

> इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने 6 पायदान की छलांग लगाकर टॉप-5 में जगह बनाई है। पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 8 विकेट लेने के बाद उन्हें लगातार दूसरा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। इस शानदार प्रदर्शन के बाद रॉबिन्सन 831 रेटिंग पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वे जुलाई 2023 के बाद पहली बार टॉप-5 में लौटे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC की ताजा टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने पिछले हफ्ते बुमराह को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान हासिल किया था और 872 रेटिंग पॉइंट के साथ टॉप पर कायम हैं।

न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 पॉइंट के साथ दूसरे और बुमराह 853 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। गिल को दो स्थान का नुकसान हुआ है।

श्रीलंका के असिथा फर्नांडो 4 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कोलंबो टेस्ट में भारत के खिलाफ 4 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के जोश टंग 4 पायदान की बढ़त के साथ संयुक्त रूप से 13वें और पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 10 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त रूप से 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रुक नंबर-1 पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे और जो रूट तीसरे नंबर पर हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस 2 स्थान की बढ़त के साथ टॉप-10 में पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के सऊद शकील 15 पायदान चढ़कर 18वें, श्रीलंका के सोनल दिनूषा 29 स्थान की छलांग के साथ 25वें और भारत के देवदत्त पडिक्कल 5 पायदान ऊपर चढ़कर 54वें नंबर पर हैं।

गिल को दो स्थान का नुकसान

बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी के बीच स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर टॉप पर पहुंचे थे।

टी-20 रैंकिंग में ब्रेविस को 6 स्थान का फायदा

साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजी रैंकिंग में 6 स्थान की छलांग लगाकर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। नामीबिया में जारी ट्राई सीरीज में उन्होंने 75, नाबाद 75 और 41 रन की पारियां खेली हैं। भारत के ईशान किशन नंबर-1, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दूसरे और अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। गेंदबाजी में अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 पर कायम हैं।

बाबर आजम को एजबेस्टन टेस्ट से पहले बुखार

9 सितंबर से खेला जाएगा तीसरा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ 9 सितंबर से एजबेस्टन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को बुखार है। टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने बताया कि बाबर को बुखार है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है और उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद है।

यह अपडेट ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद टेस्ट टीम में बड़ा फेरबदल किया है। बोर्ड ने 7 खिलाड़ियों और 2 कोच को टीम से बाहर किया है। इस फैसले के बाद पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने सिलेक्शन कमेटी से इस्तीफा दे दिया।

बाबर ने लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में 8 और 6 रन बनाए थे। पाकिस्तान यह मैच 194 रन से हार गया था। वे चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेले थे, जिसमें सलमान अली आगा ने टीम की कप्तानी की थी।

बाबर ने हाल में वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट में 193 रन बनाए थे। इसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। पाकिस्तान ने वह सीरीज 1-1 से ड्रॉ की थी।

हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में बाबर के बल्ले से शतक लंबे समय से नहीं आया है। उन्होंने आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था, जब उन्होंने 161 रन की पारी खेली थी।

साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 43 रन से हराया

टी-20 ट्राई सीरीज में फाइनल के करीब पहुंचा, प्रीटोरियस ने 94 रन बनाए

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने नामीबिया टी-20 ट्राई सीरीज के चौथे मुकाबले में जिम्बाब्वे को 43 रन से हरा दिया। इसके साथ ही टीम फाइनल के करीब पहुंच गई। अफ्रीका तीन मैचों में 4 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।

नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लुआन-ड्रे प्रिटोरियस के 94 रनों की मदद से टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 185 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.4 ओवर में 142 रन पर ऑलआउट हो गई।

ओपनर लुआन-ड्रे प्रिटोरियस ने सिर्फ 51 गेंद पर 94 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए। प्रिटोरियस ने डेवाल्ड ब्रेविस के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की। जिम्बाब्वे की ओर से वेस्ली मधेवेरे सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 10वें ओवर तक 66 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 45 रन की पारी खेली। उनके अलावा न्यूमैन न्यामहुरी ने 27, इनोसेंट काया ने 18 और ब्रायन बेनेट ने 11 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान ब्योर्न फोर्टुइन ने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं डुआन यान्सन ने 3 विकेट हासिल किए।

सीरीज के तीन मुकाबले बाकी हैं। गुरुवार को जिम्बाब्वे का सामना मेजबान नामीबिया से होगा, जबकि शुक्रवार को साउथ अफ्रीका और नामीबिया के बीच मुकाबला होगा। इसके बाद टेबल की टॉप-2 टीमों के बीच 6 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा।

ईरानी कप और इंडिया-ए मैचों से तैयारियों के लिए चुनौती, न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले कम समय

चुनौती : व्यस्त शेड्यूल से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर फाइनल की राह मुश्किल

> कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर बड़ी टेस्ट सीरीज से पहले 10 से 14 दिन की तैयारी चाहते हैं। हालांकि, मौजूदा शेड्यूल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले इतना समय मिलना मुश्किल नजर आ रहा है।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल होती जा रही है। WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर मौजूद टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल है।

नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय नहीं मिल पा रहा है।

टीम मैनेजमेंट और नेशनल सिलेक्शन कमेटी के सामने घरेलू क्रिकेट, इंडिया-A के मुकाबलों और इंटरनेशनल सीरीज के बीच खिलाड़ियों के वर्कलोड और तैयारियों का संतुलन बनाने की चुनौती है। भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से 5 मैचों की टी-20 सीरीज के साथ शुरू होगा। इसके बाद 24 अक्टूबर से इंडिया-A के तीन 4-दिवसीय मैच होंगे, जिनका शेड्यूल 5 मैचों की वनडे सीरीज से ओवरलैप करेगा। सबसे बड़ी चिंता यह है कि आखिरी वनडे और पहले टेस्ट के बीच सिर्फ 4 दिन का अंतर है। ऐसे में टेस्ट खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय मिलना मुश्किल है।

अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम मैनेजमेंट साउथ अफ्रीका की परिस्थितियों में मुख्य वनडे खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खिलाना चाहता है। वहीं, WTC फाइनल की रेस के लिए आगामी टेस्ट सीरीज भी बेहद अहम हैं।

ईरानी कप और इंडिया-ए मैचों का शेड्यूल टकराया

ऑस्ट्रेलिया-A के खिलाफ इंडिया-A को 22-25 सितंबर और 29 सितंबर-2 अक्टूबर तक दो 4-दिवसीय रेड-बॉल मैच खेलने हैं। वहीं, 1-5 अक्टूबर तक श्रीनगर में ईरानी कप होगा।

दोनों टूर्नामेंट के शेड्यूल में क्लैश से टेस्ट दावेदारों को लेकर चयनकर्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। इंडिया-A में ज्यादा टेस्ट खिलाड़ियों को उतारने पर ईरानी कप की रेस्ट ऑफ इंडिया टीम कमजोर हो सकती है, जबकि खिलाड़ियों को ईरानी कप में भेजने पर उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट की तैयारी का मौका कम मिलेगा।

मनोरंजन

‘साधना कट’ से देशभर में छाईं, आखिरी दिनों में आर्थिक तंगी से जूझीं

एक्ट्रेस साधना ने 1 रुपए से शुरू की थीं फिल्में

> साधना का एक्टिंग करियर फिल्म 'अबाना' से शुरू हुआ। जो भारत की पहली सिंधी फिल्म थी। यह फिल्म 1958 में रिलीज हुई थी।
> बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 1 रुपए की फीस मिली थी। यही छोटी सी फीस आगे चलकर उनके बड़े फिल्मी सफर की शुरुआत बनी।

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के 60 और 70 के दशक में एक ऐसी अभिनेत्री आईं, जिन्होंने अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्टाइल से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। नाम था साधना शिवदासानी। कभी उनकी फिल्में हिट होती थीं और उनका हेयरस्टाइल पूरे देश में ट्रेंड करता था, लेकिन जिंदगी के आखिरी दौर में उन्हें बीमारी, आर्थिक तंगी और अकेलेपन का सामना करना पड़ा।

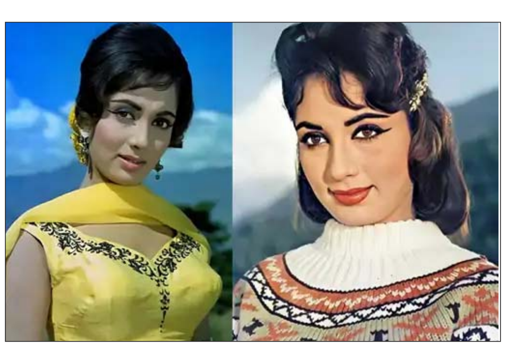

साधना का जन्म 2 सितंबर 1941 को ब्रिटिश इंडिया के कराची में एक सिंधी परिवार में हुआ था। 1947 के बंटवारे के बाद उनका परिवार भारत आकर मुंबई में बस गया। बचपन से ही साधना अभिनेत्री बनना चाहती थीं। करीब 14 साल की उम्र में उन्हें राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' में काम करने का मौका मिला, जहां वह गाने 'मुड़ मुड़ के' में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर नजर आई थीं।

'लव इन शिमला' ने बदली किस्मत

साधना को खास पहचान 1960 में आई फिल्म 'लव इन शिमला' से मिली थी। आर.के. नय्यर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह जॉय मुखर्जी के साथ लीड रोल में थीं। फिल्म सफल रही और साधना रातोंरात स्टार बन गईं। फिल्म में उनका फ्रिंज हेयरस्टाइल इतना लोकप्रिय हुआ कि आगे चलकर इसे 'साधना कट' के नाम से जाना गया। ऑड्री हेपबर्न से प्रेरित इस लुक को आम महिलाओं ने भी खूब अपनाया। चूड़ीदार सलवार सूट के चलन को लोकप्रिय बनाने का श्रेय भी साधना को दिया जाता है।

रानी पद्मावती को कायर नहीं कहा : स्वरा भास्कर

पद्मावत के जौहर सीन विवाद पर दी सफाई

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर 2018 की फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन पर दिए गए बयान के बाद विवादों में आ गई हैं। दिल्ली में एक इवेंट के दौरान उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म के जौहर सीन पर सवाल उठाए थे।

बयान के बाद सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि स्वरा ने रानी पद्मावती और जौहर करने वाली महिलाओं को कायर कहा है। भारी ट्रोलिंग के बाद मंगलवार को स्वरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर सफाई दी। स्वरा ने कहा कि उन्होंने रानी पद्मावती को कायर नहीं कहा, बल्कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। दिल्ली के इवेंट में दिए बयान पर शुरू हुआ विवाद यह पूरा विवाद 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' टॉक के दौरान शुरू हुआ था। इवेंट में स्वरा ने फिल्म के जौहर सीन का जिक्र करते हुए कहा की इससे रेप सर्वाइवर्स तक गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने आगे कहा 'क्या हम सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं, कि अगर आप सच में इज्जतदार और बहादुर महिला होतीं, तो आपने खुद को मार लिया होता? क्या हम यह कह रहे हैं कि रेप किसी महिला की जिंदगी का अंत है?' एक सीन में गर्भवती महिला का पेट दिखाया गया है जो जौहर करने जा रही है। स्वरा ने कहा था, यह देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया था और मैंने थियेटर में ही 'छी' कह दिया था।

वकील बोले- आदित्य ठाकरे, सूरज पंचोली समेत कई बड़े नाम एफआईआर में होंगे

सतीश सालियान के वकील निलेश ओझा ने हाईकोर्ट के आदेश की जानकारी देते हुए कहा कि CBI पहले सतीश सालियान का बयान दर्ज करेगी। इसके बाद FIR दर्ज कर जांच शुरू करेगी। ओझा ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ जांच में सबूत मिलेगा, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ सबूत नहीं मिलता है तो उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा। अगर CBI की रिपोर्ट नकारात्मक आती है, तो परिवार को उस पर आपत्ति जताने और प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल करने का अधिकार रहेगा। ओझा के मुताबिक, FIR में आदित्य ठाकरे, सूरज पंचोली, डीनो मोरिया, आदित्य ठाकरे के बॉडीगार्ड, रिया चक्रवर्ती, परमबीर सिंह, उद्धव ठाकरे, सचिन वाजे और पिछली SIT के उन सदस्यों के नाम भी आरोपी के तौर पर दिए गए हैं, जिन पर मामले को दबाने का आरोप है।

हाईकोर्ट का आदेश, 2020 में एक्टर की मौत से 6 दिन पहले 14वीं मंजिल से गिरी थीं

सुशांत की मैनेजर दिशा सालियान मौत की जांच सीबीआई करेगी

मुंबई के मलाड वेस्ट स्थित इसी बिल्डिंग से गिरकर दिशा की जान गई थी।

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में CBI जांच का आदेश दिया है। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर दिशा की जान गई थी। वह 28 साल की थीं। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद 2023 में इसे दोबारा खोला गया और SIT बनाई गई।

दिशा के पिता सतीश सालियान ने भी जांच में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नए सिरे से जांच की मांग की थी। उनका आरोप है कि दिशा के साथ गैंगरेप और हत्या हुई और मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ FIR की मांग की थी।

जस्टिस एसवी कोतवाल और आरआर भोसले की बेंच ने 28 अगस्त को दिशा मामले की जांच हत्या के एंगल से कराने की मांग वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट ने आज अपने फैसले में CBI के एक वरिष्ठ अधिकारी को मामले की जांच की जिम्मेदारी देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सतीश सालियान का बयान दर्ज करने और उसके आधार पर FIR दर्ज करने को भी कहा है। मालवणी पुलिस को मामले से जुड़े सभी रिकॉर्ड CBI को सौंपने होंगे।

कोर्ट ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाए

दिशा की मौत की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने CCTV फुटेज, गवाहों के बयान, पंचनामा और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट समेत जांच के कई पहलुओं पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि परिवार के संदेह जताने के बावजूद FIR क्यों दर्ज नहीं की गई। पुलिस ने पहले ADR दर्ज की थी और बाद में मौत को आत्महत्या बताया। कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि ADR की जांच इतनी लंबी क्यों चली।

5 दिन छुट्टियां मनाएंगे, देह व्यापार वाले इलाकों में जाने पर रोक, पुलिस ने 50 सेक्स वर्कर्स को हिरासत में लिया

5000 अमेरिकी सैनिक थाईलैंड पहुंचे

तैनाती

बैंकॉक, एजेंसी

अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन बुधवार सुबह थाईलैंड के लाम चाबांग पोर्ट पर पहुंच गया है। इस एयरक्राफ्ट पर पिछले 9 महीनों से 5 हजार सैनिक तैनात हैं।

USS अब्राहम लिंकन के साथ अमेरिकी नौसेना के दो और जहाज भी पहुंचे हैं। इन सैनिकों को बसों से करीब 96 किमी दूर पटाया ले जाया जाएगा। यहां वे 5 दिन छुट्टियां बिताएंगे। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक सैनिकों के देह व्यापार से जुड़े कुछ खास इलाकों में जाने पर रोक लगाई है।

पुलिस ने अमेरिकी सैनिकों के आने से पहले पटाया शहर में देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। रॉयटर्स के मुताबिक छापेमारी कर करीब 50 सेक्स वर्कर्स को हिरासत में लिया है।

करीब 5 हजार अमेरिकी जवानों के पटाया पहुंचने से होटल, रेस्तरां, बार, शॉपिंग और दूसरे पर्यटन कारोबारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। खासकर नाइटलाइफ और मनोरंजन से जुड़े कारोबारियों को इसका फायदा मिल सकता है। हजारों अमेरिकी जवान कुछ दिनों के लिए शहर में रहेंगे और इस दौरान खाने-पीने, होटल में ठहरने, घूमने-फिरने और मनोरंजन पर पैसा खर्च करेंगे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक एक अमेरिकी नौसैनिक रोजाना करीब 1,000 (2800) से 3,000 (8500) थाई बाहत तक खर्च कर सकता है। इस हिसाब से अगर करीब 5 हजार नौसैनिक शहर में आते हैं तो उनके खर्च से स्थानीय कारोबार में करोड़ों थाई बाहत का पैसा आ सकता है। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिक आराम करने और छुट्टियां बिताने के लिए पटाया आने लगे। उस समय पटाया एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था। सैनिकों के आने से होटल, बार, रेस्तरां और मनोरंजन से जुड़े कारोबार बढ़ने लगे। 1978 तक पटाया शहर जैसी पहचान बना चुका था। बड़े होटल और रिसॉर्ट बनने लगे और विदेशी पर्यटकों के लिए यहां का कारोबार तेजी से बढ़ा। इस दौरान सेक्स टूरिज्म पटाया के पर्यटन कारोबार का अहम हिस्सा बन चुका था।

अमेरिका का USS अब्राहम लिंकन और दो अन्य शिप थाईलैंड पहुंचे हैं।

> थाईलैंड में 90 के दशक में रियल एस्टेट बूम आया। विदेशी लोगों की संख्या बढ़ने के साथ शहर में बड़े पैमाने पर विला और अपार्टमेंट बनने लगे। इससे पटाया का प्रॉपर्टी कारोबार भी तेजी से बढ़ा।

सोई 6 में शाम होते ही चहल-पहल बढ़ जाती है और बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

अमेरिकी सैनिकों पर सोई-6 इलाके में जाने पर रोक

अमेरिकी सैनिकों को पटाया की नाइटलाइफ वाली जगहों पर जाने की अनुमति है, लेकिन थाई अधिकारियों ने उनके सोई 6 में जाने पर पाबंदी लगा दी है।

सोई 6 पटाया का एक मशहूर इलाका है, जो नाइटलाइफ के लिए जाना जाता है। यहां कई एडल्ट एंटरटेनमेंट वाले बार हैं। यहं बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

थाई पुलिस ने अमेरिकी सैनिकों को यह भी याद दिलाया है कि देश में वेश्यावृत्ति कानूनन प्रतिबंधित है। अमेरिकी सैनिकों को ड्रग्स और गांजा बेचने वाली दुकानों से भी दूर रहने की सलाह दी गई है।

फास्ट न्यूज

डेटा सेंटर्स पर ट्रंप का बड़ा दांव, लेकिन अमेरिका में बढ़ रहा विरोध

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के तेजी से बढ़ते दौर के सबसे विवादित पहलुओं में से एक का समर्थन किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जो समुदाय डेटा सेंटर्स को नहीं अपनाएंगे, वे पिछड़े और गरीब रह जाएंगे। इस बयान से उनके अपने MAGA समर्थकों का समर्थन खोने का जोखिम भी हो सकता है।

त्रिशूली नदी किनारे जाने को मजबूर हाकू परिवार

काठमांडू। जब 26 अगस्त को खल्ते, पैरेबेसी, मैलुंग और आस-पास के इलाकों में बाढ़ आई तब नेपाल के रसुवा जिले में हाकू और आस-पास के पहाड़ी गांवों से 2015 के गोरखा भूकंप के कारण बेघर हुए सैकड़ों तमांग परिवार त्रिशूली नदी के किनारे बस्तियों में रह रहे थे। इस आपदा के बाद लगभग 100 बच्चे उत्तरगया के शिवालय बेसिक स्कूल में शरण लिए हुए हैं, जिनमें से 60 छात्र ऐसे हैं जिनके माता-पिता दोनों ही नहीं रहे। श्री नीलकंठ सेकेंडरी स्कूल के टीचर प्रकाश नेपाल ने इस तबाही को भूकंप के बाद हुए विस्थापन से जोड़ते बताया, विस्थापित बस्तियों को नदी के किनारे बसाया गया था।

डीलर 15 सितंबर से 2000 क्विंटल चीनी रख सकेंगे

नई दिल्ली। देश में चीनी जल्द ही सस्ती हो सकती है। केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और त्योहारों से पहले कीमतें काबू करने के लिए चीनी डीलरों के लिए स्टॉक लिमिट घटाने का ऐलान किया है। खाद्य मंत्रालय के नए आदेश के मुताबिक, 15 सितंबर से चीनी व्यापारी और डीलर्स अधिकतम 2,000 क्विंटल ही स्टॉक रख सकेंगे। यह नया नियम 30 नवंबर 2026 तक पूरे देश में लागू रहेगा।

चांदी 2 दिन में 9000 सोना 4500 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 2 सितंबर को फिर गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,855 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए हो गई है।

एक किलो चांदी की कीमत आज 2,059 रुपए गिरकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। PM नरेंद्र मोदी की अपील के बाद 2 दिन में ही चांदी करीब 9,000 और सोना 4,500 रुपए सस्ता हो चुका है। कल सोना 2,652 रुपए और चांदी 6,780 रुपए सस्ती हुई थी।

मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार PM नरेंद्र मोदी की अपील के चलते सोने की कीमत पर दबाव देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण भी सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

- कच्चे तेल की कीमत में तेजी और पीएम मोदी की सोना न खरीदने की अपील का असर

---

5 की मौत, 68 घायल, ईरान का जॉर्डन-बहरीन में जवाबी अटैक

अमेरिका ने ईरान में शादी समारोह पर हमला किया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए।

ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिराए गए। इसमें 5 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए।

मेहर न्यूज के मुताबिक मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं। वहीं, खुजस्तान प्रांत पर हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए। हालांकि अमेरिका का दावा है कि उन्होंने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। इसमें कई लोगों मारे गए हैं।

रूस कथित तौर पर ईरान को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने की तकनीक गुप्त रूप से दे रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच यह सीक्रेट प्रोग्राम 2023 से चल रहा है। इसका मकसद ईरान को ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद करना है, जिससे क्रूज मिसाइलें आवाज की गति से कई गुना तेज उड़ सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोग्राम का कोडनेम C430L है। इसमें रूस के अनुभवी मिसाइल विशेषज्ञ शामिल हैं।

> ईरान ने दावा किया है कि खुजस्तान प्रांत में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 घायल हुए हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, अमेरिका ने प्रांत में 3 जगहों को निशाना बनाया।

यूएसएस अब्राहम लिंकन थाईलैंड पहुंचा

अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक पोत USS अब्राहम लिंकन बुधवार को थाईलैंड पहुंचा। यह युद्धपोत 200 दिनों से ज्यादा समय तक लगातार समुद्र में रहने के बाद पांच दिन के आराम के लिए यहां रुका है। इस पोत पर करीब 5,000 सैनिक और कर्मचारी तैनात हैं। यह पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े मिशन पर था। लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण जहाज पर तैनात लोगों को किसी बंदरगाह पर रुकने का मौका नहीं मिला। इसी वजह से उनके मानसिक स्वास्थ्य और रहने की परिस्थितियों को लेकर भी चिंता जताई गई है।

लोग बोले- सुरक्षित जगह पहुंचने का वक्त नहीं था, 7 दिन में 1127 मौतें

नेपाल में 38 मिनट बाद मिला ग्लेशियर टूटने का अलर्ट

बीजिंग, एजेंसी

नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ की चेतावनी ग्लेशियर टूटने के करीब 38 मिनट बाद जारी की गई थी। बाढ़ से बचे लोगों का कहना है कि अलर्ट मिलने तक उनके पास सुरक्षित जगह पहुंचने का पर्याप्त समय नहीं था।

कई लोगों ने कहा कि वे चेतावनी से ज्यादा किस्मत की वजह से बच पाए। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लेशियर टूटने और अचानक बाढ़ आने का खतरा लंबे समय से मौजूद था। इसके बावजूद इस जोखिम की लगातार निगरानी नहीं की गई।

नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ में अब तक 1127 लोगों की मौत हो चुकी है। 4600 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, सड़कें, पुल, स्कूल और अस्पताल को नुकसान पहुंचा है।

दर्जनों हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स के सैकड़ों कर्मचारी अब भी लापता हैं। कई लोगों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है।

नेपाल में बाढ़ और लगातार बारिश के बाद सुन कोशी, बूढ़ी गंडकी और महाकाली नदियों का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंच गया है। प्रशासन ने मध्य, पश्चिमी और पूर्वी नेपाल के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा है, और तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिका की क्राइसिस रिस्पॉन्स इंटरनेशनल (CRI) की 13 सदस्यीय टीम नेपाल पहुंच गई है। यह टीम रसुवा जिले के चिलिमे क्षेत्र में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंगों में लापता लोगों की खोज में मदद करेगी।

नेपाल पीएम बोले- 95 शव परिजनों को सौंपे गए

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने संसद में बताया कि बाढ़ के बाद अब तक 95 शव परिजनों को सौंपे गए हैं।

शाह ने कहा कि बाढ़ 26 अगस्त की सुबह करीब 8:30 बजे आई थी। जानकारी मिलते ही सरकार ने राहत-बचाव अभियान शुरू किया। 9:15 बजे आपात बैठक बुलाई गई और 10:30 बजे तक हेलिकॉप्टर व बचाव दल तैनाती के लिए तैयार थे।

- नेपाल की विनाशकारी बाढ़ में लापता हुए सूरज तिमिल्सिना का शव अब तक नहीं मिल सका है। काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में सूरज तिमिल्सिना के परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार पुतले के जरिए किया है।
- अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के सदस्य और रिश्तेदार भावुक नजर आए। सूरज के बेटे ने भी पिता के अंतिम संस्कार की रस्मों में हिस्सा लिया।

जर्मनी में ट्रेन स्टेशन पर धमाका, दो लोग घायल

ट्रेन सेवाएं रोकी गईं, यातायात भी प्रभावित हुआ

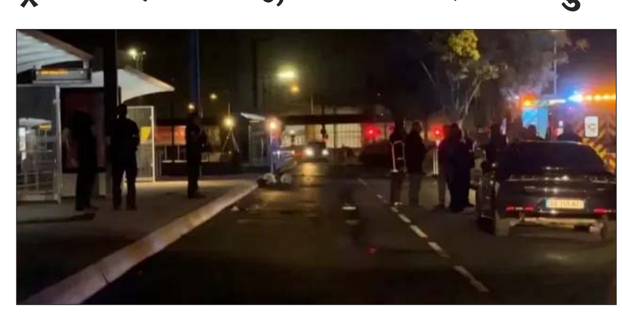

म्यूनिख, एजेंसी

जर्मनी के ऑग्सबर्ग के एक ट्रेन स्टेशन पर बुधवार को एक अनजान चीज में धमाका हुआ, जिसमें दो लोगों को मामूली चोटें आईं। बवेरिया राज्य की पुलिस ने बताया कि धमाका एक इमारत के रास्ते में हुआ। खिड़कियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने बाद में बताया कि शहर के मुख्य ट्रेन स्टेशन पर एक संदिग्ध चीज मिलने के बाद उसे बंद कर दिया गया। पुलिस ने एक्स पर कहा, ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं।₹ ऑग्सबर्ग, म्यूनिख से उत्तर-पश्चिम में लगभग 55 किलोमीटर (35 मील) दूर एक क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब है। पुलिस ने बताया कि स्टेशन के आस-पास सड़क यातायात और सार्वजनिक परिवहन बाधित है। ट्रेन स्टेशन के अंदर भी पाबंदियां लागू हैं। पुलिस दक्षिणी जर्मनी में ऑग्सबर्ग के मुख्य ट्रेन स्टेशन के पास हुए धमाके के मामले में कार्रवाई कर रही है।

डील : पीएम से बोले- ये प्लेन आपको निराश नहीं करेंगे, मैं भी याद रखूंगा

ट्रम्प ने बोइंग डील के लिए बांग्लादेश को कहा शुक्रिया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारीक रहमान को पत्र लिखकर बोइंग विमान खरीदने के फैसले के लिए धन्यवाद दिया है। बांग्लादेश PM तारिक रहमान के नाम से 31 अगस्त को लिखी इस चिट्ठी में ट्रम्प ने लिखा, प्रिय प्रधानमंत्री, मुझे बोइंग विमान खरीदने से संबंधित आपकी चिट्ठी मिली। मैं इस फैसले की बहुत तारीफ करता हूं। बोइंग आपको निराश नहीं करेगा और मैं भी इसे नहीं भूलूंगा। मैं आपसे मिलने का इंतजार कर रहा हूं। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में बांग्लादेश के अलावा कम से कम 6 देशों ने अमेरिका से बोइंग के विमान खरीदने का ऐलान किया है। अमेरिका में बड़े यात्री विमान बनाने वाली मुख्य कंपनी बोइंग ही है। वहां दूसरी विमान कंपनियां भी हैं, लेकिन वे ज्यादातर सैन्य या छोटे विमानों के कारोबार में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में बोइंग की साउथ कैरोलिना फैक्ट्री का दौरा किया था।

अमेरिका से 25 बोइंग प्लेन खरीदने की तैयारी में बांग्लादेश

बांग्लादेश के पास अभी 14 बोइंग प्लेन हैं। बांग्लादेश ने अप्रैल 2026 में 14 नए बोइंग विमान का ऑर्डर भी दिया था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने 30 अगस्त को बताया था कि ट्रम्प और रहमान के बीच बोइंग विमानों को लेकर बड़ी डील हुई है। इसके तहत बांग्लादेश 25 बोइंग विमान खरीदने की तैयारी में है।

अमेरिकी टैरिफ से राहत पाने के लिए डील हुई

बांग्लादेश की बोइंग खरीद सिर्फ अपनी एयरलाइन का बेड़ा बढ़ाने की योजना नहीं है। इसका एक बड़ा मकसद अमेरिका के साथ व्यापार घाटा कम करना और अमेरिकी टैरिफ में राहत पाना भी है। इसी वजह से बोइंग विमान खरीदने का मुद्दा दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों से भी जुड़ गया है। जब अमेरिका ने बांग्लादेश के सामान पर 37% टैरिफ लगाने की बात कही, तो बांग्लादेश ने अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदने की कोशिश शुरू की।

दक्षिण सिनाई में बस पलटने से 16 लोगों की हुई मौत

मिस्र में दर्दनाक सड़क हादसा, 28 घायल

काहिरा, एजेंसी

मिस्र के दक्षिण सिनाई इलाके से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां के दहाब-नुवैबा रोड पर बुधवार को एक भीषण बस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस हादसे की आधिकारिक पुष्टि की है।

यह दुर्घटना लाल सागर तट के पास वाले इलाके में हुई, जो पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय और व्यस्त माना जाता है। बस किस वजह से दुर्घटनाग्रस्त हुई, इसकी जांच की जा रही है, लेकिन हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

सूचना मिलते ही राहत और बचाव टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बता दें कि मिस्र में बड़े सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इससे ठीक एक महीने पहले भी इसी तरह की एक दर्दनाक घटना घटी थी, जब मिस्र के इस्माइलिया गवर्नरेट में हुए एक सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 32 अन्य लोग घायल हो गए थे।

- दहाब-नुवैबा रोड पर 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल।
- लाल सागर तट के पास हुआ यह दर्दनाक हादसा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96